www.navpradesh.com

दैनिक **नव प्रदेश**

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | अभिव्यक्ति 4 | छत्तीसगढ़ 6 | आंचलिक 7 | देश-विदेश

RNI NO.CHHHIN/2015/62431 बिलासपुर, गुरुवार 23 जून 2022, शुक्ल पक्ष नवमी, विक्रम संवत-2078 वर्ष-08 अंक-71 पृष्ठ-08 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

//-- सुविचार --//

मनुष्य को हमेशा यह नही सोचना चाहिए की वो अपने जीवन में कितना खुश है, बल्कि यह सोचना चाहिये की उस मनुष्य की वजह से दूसरे कितने खुश हैं।

आज बेबाक

ये कैसे जनप्रतिनिधि है? जिनपर उनकी पार्टी का हाई कमान विश्वास नहीं करता है। जब भी विधान परिषद, राज्यसभा या ऐसा ही कोई अन्य चुनाव होता है जिसमे विधायकों को मतदाता के रूप में भाग लेना होता है तो इन माननीयों को भेड़ बकरियों की तरह बसों में ठूंस कर अज्ञात स्थान पर लेजाया जाता है। यह ठीक है कि उन्हे आलीशान होटलों में ठहराया जाता है। उनकी जमकर खातिर की जाती है लेकिन उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता तो इस अवधि में छीन ही जाती है। धन्य है ये अविश्वसनीय जनप्रतिनिधि।

सूर्योदय

उदय : 5.23 प्रात:

अस्त : 7.21 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,955,633,390

भारत: 1,407,272,750

बाजार

संसेक्स : 51822.53

निफ्टी: 15413.30

गोल्ड : 51,760 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 60,500 प्रति किग्रा

अण्डा दर: 5.14 प्रति नग

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रायपुर	36.4	25.2
बिलासपुर	34.4	26.2
जगदलपुर	32.6	22.8
अंबिकापुर	33.6	23.7

आज का दिवस

अंतर्राष्ट्रीय विधवा दिवस

हर साल 23 जून को विश्व स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय विधवा दिवस मनाया जाता है। यह दिन व्यापक रूप से विधवाओं की आवाज़ों और उन्हें होने वाले अनुभवों पर ध्यान आकर्षित करने और उनके द्वारा किए जाने वाले अद्वितीय समर्थन को प्रोत्साहित करने के लिए जाना जाता है। आज भी विधवाए अपने जीवन साथी को खोने के बाद दुनिया भर में कई महिलाएं चुनौतियों का सामना करती हैं और बुनियादी जरूरतों, उनके मानवीय अधिकार और सम्मान के लिए लंबे समय तक संघर्ष करती हैं। लूमबा फाउंडेशन ने साल 2005 में अंतर्राष्ट्रीय विधवा दिवस मनाए जाने की शुरुआत की थी। लूमबा के अनुसार, विभिन्न देशों में महिलाओं को अपने पति के मरने के बाद बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता हैं। उनकी देख-भाल न तो कोई एनजीओ करता है, न कोई सरकार और साथ ही समाज भी उन्हें अभिशाप मानता हैं। इसलिए, 23 जून 2010 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इसे आधिकारिक रूप से मान्यता दी गई।

महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट जारी

उद्धव की अपील सामने आकर बात करें एकनाथ शिंदे

शिंदे ने शिवसेना पर ठोका दावा, देर शाम एनसीपी प्रमुख ने की मुलाकात

मुंबई/नवप्रदेश। महाराष्ट्र में जारी सियासी संकट के बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार शाम फेसबुक के जरिए लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर शिवसेना के विधायक उनसे कहते तो वे खुद ही मुख्यमंत्री पद छोड़ देते। उन्होंने यहां तक कहा कि वे सीएम पद तो छोड़िए शिवसेना अध्यक्ष का पद छोड़ने के लिए भी तैयार हैं। बशर्ते बागी विधायक व नेता उनसे सामने आकर बात करें। उन्होंने कहा कि यह मेरा नाटक नहीं है। मुझे यह कहना है कि संख्या किसके पास कितनी है, यह गौण है। लोकशाही के पास जिसके पास संख्या अधिक है, वह जीतता है। मुझे कितने लोग वहां गए... एक ने भी मेरे खिलाफ वोट दिया तो मैं शर्मिंदगी महसूस करूंगा। मेरे प्रति किसी ने भी अविश्वसा जताया, तो यह मेरे लिए सही नहीं होगा। वहीं देर शाम एनसीपी प्रमुख शरद पवार, सुप्रिया सुले और जितेंद्र आव्हाड मुंबई में महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे के आवास पर पहुंचे।

शिवसेना पक्ष प्रमुख का पद भी छोड़ने को तैयार

उन्होंने कहा कि आप लोग कह रहे हो कि यह असली शिवसेना नहीं है। पर आप लोग आकर बोलिए, मैं अपना ठिकाना वर्षा (मुख्यमंत्री निवास) से हटा रहा हूं। जो ऐसा कर रहे हो, उससे किसका नुकसान कर रहे हो? उन्हें इसे महसूस करना चाहिए। मेरा इस्तीफा तैयार है। जो विधायक गायब हैं या जिन्हें गायब किया गया है। वे आए और मेरा इस्तीफा लेकर जाए। अगर कोश्यारी बोलेंगे तो मैं भी वहां जाने को तैयार हूं। कोई मजबूरी नहीं है। कोई लाचारी नहीं है। मैं चुनौतियों का सामना करने को तैयार हूं। मुख्यमंत्री पद के लिए जो मैं बोल रहा हूं, वह शिव सैनिकों के लिए भी बोल रहा हूं। जिन लोगों को लग रहा है कि मैं शिवसेना पक्ष प्रमुख के लायक नहीं हूं, तो मैं यह कुर्सी भी छोड़ दूंगा। संकट के सामना करने के लिए है। मैं दोनों पद छोड़ने को तैयार हूं। शिवसेना का कोई और नेता मुख्यमंत्री बनता है तो वह भी अच्छा लगेगा।

संबोधन में हिंदुत्व और बाला साहब का जिक्र

उद्धव ठाकरे ने संबोधन के दौरान अपनी सरकार की भी जमकर तारीफ की। उनके मुताबिक कोरोना काल में उनकी सरकार ने बेहतरीन काम किया था। देश में कोरोना का जब प्रकोप बढ़ा तो किसी को नहीं पता था कि इस वायरस से कैसे लड़ा जाए फिर भी हम कोविड से लड़े। हम कोविड से निपटने वाले टॉप 5 मुख्यमंत्री में थे। संबोधन में कई मौकों पर उद्धव ने हिंदुत्व पर भी जोर दिया, उन्होंने साफ कर दिया कि आज भी शिवसेना हिंदुत्व पर कोई समझौता नहीं करती है। ये भी कहा गया कि वर्तमान शिवसेना भी बालासाहब वाली ही है, उन्हीं के विचारों से प्रेरित होकर चलती है।

शिंदे ने पार्टी पर कब्जे की घोषणा कर दीर

दो दिन से सरकार बचा रहे उद्धव अब अपनी पार्टी बचाने के जुगत में हैं। शिंदे ने सरकार नहीं, सीधे पार्टी पर कब्जे की घोषणा कर दी है। शिवसेना ने व्हिप जारी कर बुधवार शाम 5 बजे पार्टी विधायकों की बैठक बुलाई थी। उससे 50 मिनट पहले एकनाथ शिंदे ने पार्टी व्हिप को अवैध बता चीफ व्हिप सुनील प्रभु को हटाने की घोषणा कर दी। साथ ही भरत गोगावले को इस पद पर नियुक्त भी कर दिया। साथ ही शिंदे ने विधायक दल के नेता होने का दावा ठोकते हुए 34 विधायकों के समर्थन वाली चिट्ठी राज्यपाल को भेज दी। साफहै सरकार के साथ पार्टी पर भी कब्जा करने की कोशिश। शिंदे दावा कर रहे हैं कि उनके पास 46 विधायक हैं। हालांकि, गुवाहाटी में अभी शिवसेना के 35 और 2 निर्दलीय विधायक हैं। 3 और विधायक महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल के साथ गुवाहाटी के लिए निकल चुके थे।

... और इधर दिल्ली में कांग्रेस का प्रदर्शन जारी

भाजपा को केवल खतरा कांग्रेस पार्टी व राहुल गांधी से, इसलिए आवाज दबाना चाहती है : भूपेश

रायपुर-दिल्ली/नवप्रदेश। ईडी की पूछताछ व सेना भर्ती की अग्निपथ योजना के विरोध में गुरूवार को कांग्रेस ने दिल्ली में धरना प्रदर्शन किया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की मौजूदगी में धरने को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, भाजपा को केवल कांग्रेस और राहुल गांधी से खतरा, इसलिए वह राहुल गांधी और कांग्रेस की आवाज दबाना चाहती है। उन्होंने ईडी की कार्रवाई पर राहुल गांधी को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। केंद्र की सरकार कांग्रेस से डरी हुई है। कार्यकर्ताओं को अपने ही कार्यालय जाने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा को खतरा सिर्फ कांग्रेस और राहुल गांधी से है। राहुल गांधी ही किसानों, नौजवानों, दलितों की लड़ाई लड़ते हैं, इसीलिए उनकी आवाज को केंद्र की भाजपा सरकार दबाना चाहती है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ की कांग्रेस पार्टी और वहां की जनता राहुल गांधी के साथ खड़ी है। वहीं अग्निपथ योजना पर सवाल उठाते हुए कहा केंद्र सरकार नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। चार साल बाद सेवानिवृत्त युवाओं को भाजपा अपने कार्यालय में चपरासी के रूप में रखना चाहती है। इसके साथ ही बघेल ने भाजपा पर आरक्षण और नौकरी खत्म करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस मुख्यालय में बनी आंदोलन की रूपरेखा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस मुख्यालय में एक बैठक की। इसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदम्बरम, प्रमोद तिवारी, अधीर रंजन चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम सहित छत्तीसगढ़ कांग्रेस के लगभग सभी विधायक मौजूद थे। उसके बाद सभी लोग जंतर-मंतर के लिए रवाना हुए।

अफगानिस्तान में भूकंप ने मचाई तबाही, एक हजार से अधिक मौतें

■ राहत-बचाव में भी मुश्किल

काबुल (ए.)। अफगानिस्तान के पूर्वी पहाड़ी इलाके और पाकिस्तान की सीमा के पास आए जोरदार भूकंप ने तबाही मचा दी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक कम से कम 920 लोगों की जान चली गई है। यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.1 थी। आंकड़ों के मुताबिक कम से कम 600 लोगों के घायल होने की खबर है।

खोस्त और पक्तिका प्रांतों में कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। अफग़ानिस्तान में तालिबान के शासन के बाद कई विदेशी रेस्क्यू एजेंसियां देश छोड़कर चली गई थीं। ऐसे में राहत और बचाव के काम में भी काफी मुश्किलें आ रही हैं। पड़ोसी पाकिस्तान के मौसम विभाग का कहना है कि भूकंप का केंद्र खोस्त सिटी से 50 किलोमीटर की दूरी पर बॉर्डर के पास ही था। इस इलाके में ज्यादा लोग नहीं रहते हैं इसलिए नुकसान फिर भी कम हुआ है। काबुल में प्रधानमंत्री ■ शेष पृष्ठ 6 पर

तबाही का मंजर

अफगानिस्तान से कई तस्वीरें सामने आई हैं जो कि तबाही की दास्तां बता रही हैं। एक तस्वीर में हेलिकॉप्टर से लोगों को निकालकर इलाज के लिए ले जाया जा रहा है। दूसरी में घायलों का इलाज जमीन पर ही लिटाकर चल रहा है। किसी को फ्लुइड चढ़ाया जा रहा है। कुछ लोग धराशायी हुए मकान के पास ईंट उठाते नजर आ रहे हैं। तालिबान सरकार में डिप्टी स्पोक्समैन बिलाल करीमी ने कहा कि पक्तिता प्रांत में भूकंप में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा, मैं सभी सहायता एजेंसियों से अपील करता हूं कि मौके पर मदद के लिए पहुंचें।

पीएम मोदी 26-28 जून तक जर्मनी, यूएई की यात्रा पर रहेंगे

नयी दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 से 28 जून के दौरान जर्मनी एवं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि श्री मोदी जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज़ के निमंत्रण पर श्लोज़ एल्माउ में होने वाली जी-7 शिखर बैठक में भाग लेने के लिए 26 एवं 27 जून को जर्मनी की यात्रा पर रहेंगे। शिखर बैठक में प्रधानमंत्री के पर्यावरण, ऊर्जा, जलवायु, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता और लोकतंत्र पर दो सत्रों को संबोधित करने की संभावना है।

सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, उत्तर प्रदेश सरकार ने कानपुर-प्रयागराज में तोड़फोड़ को उचित ठहराया

नयी दिल्ली (वार्ता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने पैगंबर मुहम्मद पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ हिंसक विरोध के बाद प्रयागराज और कानपुर में स्थानीय प्राधिकरणों की ओर से कथित अवैध भवनों में तोड़फोड़ की कार्रवाई को बुधवार को उचित करार दिया।

उच्चतम न्यायालय में एक हलफनामा दायर कर राज्य सरकार ने दावा किया कि याचिका में लगाए आरोप 'एकतरफा मीडिया रिपोर्टिंग' पर आधारित हैं। जमीयत उलमा-ए-हिंद द्वारा दायर इस याचिका में लगाए गए आरोप 'पूरी तरह से झूठे और भ्रामक हैं।' हलफनामे में कहा गया, वास्तव में, किसी भी वास्तविक प्रभावित पक्ष ने (यदि कोई हो) कानूनी तोड़फोड़ की कार्रवाई के संबंध में इस शीर्ष अदालत में गुहार नहीं लगायी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अपना पक्ष शीर्ष अदालत के समक्ष कहा है कि जमीयत उलमा-ए-हिंद के आरोप अनुचित हैं। सरकार ने विभिन्न तर्कों के माध्यम से अपने जवाब में ■ शेष पृष्ठ 6 पर

लश्कर के तीन आतंकवादी गिरफ्तार

■ जम्मू-कश्मीर के बड़गाम में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

बड़गाम। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों का धरपकड़ जारी है। इसी कड़ी में जम्मू-कश्मीर के बड़गाम जिले में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और लश्कर के तीन सहयोगियों को गिरफ्तार किया। यह जानकारी जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को दी है।

दरअसल, गिरफ्तार आतंकी साथियों की पहचान आशिक हुसैन हाजम गुलाम मोही दीन डार और ताहिर बिन अहमद के रूप में हुई है। पुलिस ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि बड़गाम पुलिस ने 53 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 181 बटालियनों के साथ लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार करके प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया।

भारत-रूस की दोस्ती ने एक साल में किया कमाल अमेरिकी सख्ती के बीच तिगुना कारोबार!

नई दिल्ली (ए.)। ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल की बढ़ी कीमतों के बीच भारत रूस से सस्ते में इसका आयात बढ़ा रहा है. यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद क्रूड ऑयल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं और यह कई महीने से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है. हालांकि अमेरिका व उसके सहयोगी देशों के प्रतिबंधों के चलते रूस का क्रूड ऑयल सस्ता है. इसका फायदा भारत और चीन जैसे देश उठा रहे हैं. क्रूड ऑयल की बढ़ी इस खरीद के चलते अप्रैल महीने में रूस से भारत का कुल आयात बिल बढ़कर 2.3 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया, जो ठीक एक साल पहले की तुलना में 3.5 गुना है.

इतना बढ़ा रूस से भारत का आयात

कॉमर्स मिनिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में भारत ने रूस से सबसे ज्यादा कच्चे तेल का ही आयात किया. रूस से भारत के कुल आयात में कच्चे तेल का हिस्सा 1.3 बिलियन डॉलर यानी 57 फीसदी रहा. भारत ने रूस से कच्चे तेल के अलावा जिन चीजों का आयात किया, उनमें कोयला, सोयाबीन तेल , ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

पत्र... सोनिया गांधी को दिल्ली के एक प्राइवेट अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, कोरोना वायरस संबंधी जटिलताओं के कारण भर्ती कराया गया था

सोनिया ने ईडी को लिखी चिट्ठी, पूरी तरह से ठीक होने तक पेशी टालने की रखी मांग

नई दिल्ली (ए.)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय को चिट्ठी लिखकर एजेंसी के सामने अपने पेश होने के लिए कुछ हफ्तों का और समय मांगा है। उन्होंने कहा कि जब तक वह कोविड और फेफड़ों के संक्रमण से पूरी तरह ठीक नहीं हो जाती हैं तब तक उन्हें पेशी से राहत दी जाए। प्रवर्तन निदेशालय ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को 23 जून को पूछताछ के लिए तलब किया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा, 'चूकि उन्हें (सोनिया गांधी) कोविड और फेफड़ों के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के बाद अब घर पर आराम करने की सलाह दी गई है। इसलिए कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने आज ईडी को पत्र लिखकर अपनी उपस्थिति को कुछ हफ्तों के लिए स्थगित करने की मांग की है जब तक कि वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाती।'

सोनिया गांधी को सोमवार को दिल्ली के एक प्राइवेट अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है जहां उन्हें कोरोना वायरस संबंधी जटिलताओं के कारण भर्ती कराया गया था। कांग्रेस ने प्रवर्तन निदेशाल की पूरी जांच को राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

नेशनल हेराल्ड केस: राहुल गांधी को राहत!

ईडी इस सप्ताह दोबारा नहीं कर सकती है पूछताछ

नई दिल्ली (ए.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के पांचवें दिन मंगलवार को सुबह 11 बजे ईडी कार्यालय में फिर से पेश हुए। उनसे मंगलवार रात 10 बजे तक पूछताछ जारी रही। अब जो जानकारी सामने आ रही है उसके मुताबिक उन्हें इस सप्ताह दोबारा पूछताछ के लिए नहीं बुलाया जा सकता है। वह जांच दल के साथ करीब 12 घंटे बिताकर सोमवार आधी रात को ईडी कार्यालय से निकले थे।

ईडी के सूत्रों ने पहले कहा था कि कांग्रेस नेता कथित अवैध लेनदेन और यंग इंडियन में कोलकाता स्थित हवाला ऑपरेटरों से प्राप्त 1 करोड़ रुपये की 'आवास एंट्री' के बारे में कोई जानकारी होने से इनकार कर रहे थे। एजेंसी राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी सहित यंग इंडियन के शेयरधारकों के खिलाफ कथित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही है।

गांधी परिवार के पास यंग इंडिया का सर्वाधिक शेयर है। इन्होंने 2011 में एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड का 100% कब्जा कर लिया था। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

संपादकीय

महाराष्ट्र में सियासी घमासान

महाराष्ट्र में सियासी घमासान थमने की जगह और तेज होता जा रहा है। शिवसेना में फूट पड़नी तय हो गई है। शिवसेना के बागी विधायक गुजरात से असम पहुंच गए है और इन बागी विधायकों की संख्या बढ़कर 40 हो चुकी है। बागी विधायकों की अगुवाई करने वाले एकनाथ शिंदे ने दावा किया है कि शिवसेना के कुछ और विधायक भी उनके साथ आने वाले है। इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे लगातार अपने बचे खुचे विधायकों और सांसदों के साथ विचार विमर्श कर आगे की रणनीति तय करने में लगे हुए है। महाअघाड़ी सरकार में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो शरद पवार के साथ भी उनकी मंत्रणा चल रही है लेकिन शरद पवार भी उनके लिए संकट मोचक बन पाएंगे इसमें संदेह है। शरद पवार ने स्पष्ट कर दिया है कि यह शिवसेना का आंतरिक मामला है। रही बात राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की तो वह महा अघाड़ा सरकार चलाने के लिए शिवसेना के साथ है लेकिन शिवसेना में जो कुछ चल रहा है उसे उद्धव ठाकरे को ही संभलना पड़ेगा। शरद पवार ने तो यहां तक कह दिया है कि उनकी पार्टी विपक्ष में बैठने के लिए भी तैयार है। शरद पवार के इस बयान से साफ हो जाता है कि वे शिवसेना के चल रही अंतर्कलह से खुद के दूर रख रहे है। यह ठीक भी है। समस्या शिवसेना में है और इसका समाधान शिवसेना को ही ढूंढना पड़ेगा इसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस पार्टी कुछ नहीं कर सकती। इस बीच शिवसेना के सांसद एवं प्रवक्ता संजय राउत ने यह ट्वीट कर के कि महाराष्ट्र विधानसभा भंग हो सकती है नया विवाद खड़ा कर दिया है। यदि महाराष्ट्र विधानसभा भंग करने की सिफारिश की जाती है तो जाहिर है कि महाराष्ट्र में मध्यावधी चुनाव होंगे। सवाल यह उठता है कि मध्यावधी चुनाव के लिए शिवसेना, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी कितनी तैयार है। इतनी जल्दी चुनाव के लिए शायद ही कोई तैयार हो। यदि विधानसभा भंग नहीं की जाती तो फिर सदन में उद्धव ठाकरे को बहुमत साबित करना होगा जो मुश्किल लग रहा है। उद्धव ठाकरे के साथ शिवसेना के मात्र16 विधायक बताए जाते है। इनमें से भी कुछ के टूटने का खतरा बना हुआ है। जाहिर है एकनाथ शिंदे के साथ शिवसेना के विधायकों का बहुमत है इसलिए उन्होंने अब शिवसेना पर भी अपना दावा ठोक दिया है। महाराष्ट्र में पल पल राजनीतिक घटनाक्रम बदलता जा रहा है और ऐसे समय में महाराष्ट्र के राज्यपाल के अलावा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी कोरोना संक्रमित हो गए है। एकनाथ शिंदे ने राज्यपाल को पत्र भेज कर उनसे वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए फ्लोर टेस्ट कराने की मांग की है। उन्होंने दावा किया है कि उनके पास शिवसेना के 46 विधायकों का समर्थन है इसलिए असली शिवसेना वे ही है। यह बेहद रोचक स्थिति है ऐसे में महाराष्ट्र की राजनीति आगे क्या करवट लेगी यह देखना दिलचस्प होगा। रही बात भाजपा की तो वह पहले ही दूध की जली हुई है इसलिए छाछ को भी फूंक फूंक कर पी रही है और वेट एंड वाच कर रही है।

विचार

काबुल के गुरुद्वारे पर हमला

काबुल के कार्ते-परवान में गुरुद्वारे पर हुए हमले ने अफगान सिखों को हिलाकर रख दिया है। जिस अफगानिस्तान के शहरों और गांवों में लाखों सिख रहा करते थे, वहां अब मुश्किल से डेढ़-दो सौ परिवार बचे हुए हैं। उनमें से भी 111 सिखों को भारत सरकार ने इस हमले के बाद तुरंत वीज़ा दे दिया है। अब से 50-55 साल पहले जब मैं काबुल विश्वविद्यालय में अपना शोधकार्य किया करता था, तब मैं देखता था कि काबुल, कंधार, हेरात और जलालाबाद के सिख सिर्फ मालदार व्यापारी ही नहीं हुआ करते थे, काफी शानदार और सुरक्षित जीवन बिताया करते थे। औसत पठान, ताजिक, उजबेक और हजारा लोग सिखों को बहुत ही सम्मान की नजर से देखते थे। सिखों को भी अपने अफगान होने पर बड़ा नाज़ हुआ करता था। गज़नी में एक वयोवृद्ध सिख से मैंने पूछा था कि आप कब से यहां रहते हैं तो उन्होंने तपाक से कहा कि जब से अफगानिस्तान बना, तभी से! ऐसे देशभक्त सिखों को अफगानिस्तान से भागना पड़ गया है, यह क्या शर्म की बात नहीं है? लेकिन यह संतोष और आश्चर्य का विषय है कि जिन तालिबान को अत्यंत कट्टरपंथी माना जाता है, उनकी पुलिस तो उस गुरुद्वारे की रक्षा कर रही थी लेकिन खुरासानी इस्लामिक स्टेट के आतंकवादी गुरुद्वारे पर हमला कर रहे थे। हमले में एक सिख और एक तालिबान सिपाही मारा गया। इसके पहले जलालाबाद और हर राई साहब के गुरुद्वारों पर हुए हमलों में दर्जनों लोग मारे गए थे। तालिबान सरकार ने उक्त हमले में मृतकों के परिवारों को एक-एक लाख रु. और गुरुद्वारे के पुनरोद्धार के लिए डेढ़ लाख रु. दिए हैं। ये तथ्य बहुत ही गौर करने लायक हैं। क्या पाकिस्तान और बांग्लादेश की सरकारों को भी यही नहीं करना चाहिए? इससे यह भी जाहिर होता है कि भारत के प्रति तालिबान शासन के मन में कितनी सदभावना है। भारत सरकार ने भी तालिबान शासन के दौरान अफगान जनता की मदद के लिए हजारों टन गेहूं और दवाइयां काबुल भिजवाईं। भारत सरकार ने अपना एक प्रतिनिधि मंडल विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव जेपी सिंह के नेतृत्व में काबुल भेजा था ताकि अन्य 13 राष्ट्रों के राजदूतावासों की तरह हमारा राजदूतावास भी दुबारा सक्रिय हो सके लेकिन अब इस दुर्घटना के बाद भारत को ज़रा ज्यादा सतर्क होना पड़ेगा। गुरुद्वारे पर यह जो हमला हुआ है, वह भाजपा प्रवक्ता के पैगंबर संबंधी बयान के बहाने हुआ है लेकिन 2018 और 2020 के हमलों के वक्त तो ऐसा कुछ नहीं था। इसके पहले भी काबुल के शहरे-नव में स्थित हमारे राजदूतावास और जरंज-दिलाराम सड़क पर काम कर रहे हमारे मजदूरों पर जानलेवा हमले हुए हैं। इन हमलों के पीछे असली गुनाहगार कौन है, यह हमें पाकिस्तान ही बता सकता है।

राष्ट्रपति चुनाव एनडीए के दांव से विपक्ष पस्त

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

विपक्ष ने अनेक मर्तबा मुकाबले की औपचारिकता भी निभाई। क्षेत्रीयता के नाम पर उसमें बिखराव भी हुआ। मसलन श्रीमती प्रतिभा पाटिल को शिवसेना ने मराठी भाषी होने के नाते समर्थन दिया। प्रणब मुखर्जी भी शिवसेना का समर्थन हासिल करने में सफल रहे जिसमें अंबानी परिवार की भूमिका बताई जाती है। लेकिन कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी आज इस स्थिति में नहीं है कि राष्ट्रपति चुनाव में अपनी ओर से एक प्रत्याशी का नाम तक विपक्ष को सुझा सके। क्षेत्रीय दलों के सामने वह किस कदर दबी-दबी नजर आने लगी है उसका ताजा प्रमाण यह चुनाव है जिसमें देश की सबसे पुरानी पार्टी की कोई भूमिका नजर नहीं आ रही। शेष विपक्ष के बिखराव का कारण भी कांग्रेस की उदासीनता ही है। भाजपा देश के आदिवासी समुदाय और महिलाओं के बीच अपनी पैठ को मजबूत करने में जुटी है, लिहाजा उसके लिए द्रौपदी मुर्मू एक बेहतरीन विकल्प है। मुर्मू बीजेपी के लिए काफी काम भी कर चुकी हैं और मोदी-शाह की करीबी भी मानी जाती हैं। यही नहीं पूर्वी भारत में जड़ें जमा रही बीजेपी को द्रौपदी के सहारे ज्यादा लाभ मिलने की उम्मीद है।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी और विपक्ष ने अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। बीजेपी ने सबको चैंकाते हुए ओड़िशा की आदिवासी महिला नेत्री और झारखण्ड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू पर दांव खेला है। द्रौपदी मुर्मू छह साल एक महीने तक झारखंड के राज्यपाल पद पर अपनी सेवा दे चुकी हैं। वहीं, राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्षी ने उम्मीदवार के तौर पर यशवंत सिन्हा के नाम का एलान किया। सिन्हा दो बार केंद्रीय वित्त मंत्री रह चुके है। पहली बार वह 1990 में चंद्रशेखर की सरकार में और फिर अटल बिहारी वाजपेयी नीत सरकार में वित्त मंत्री थे। वह वाजपेयी सरकार में विदेश मंत्री भी रहे हैं। दोनों पक्षों की ओर से अपने-अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया गया है। इसके बाद से ही सियासी समीकरण साधने की कोशिशें शुरू हो गई हैं।

बीजेपी ने द्रौपदी मुर्मू के नाम पर मुहर लगाकर एक तीर से दो निशाने साधने की कोशिश की है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो चुनाव में बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए का पलड़ा भारी है। लिहाजा देश का अगला राष्ट्रपति बनने का द्रौपदी मुर्मू लगभग सफर तय माना जा रहा है। संसद के दोनों सदनों के सांसद और सभी राज्य विधानसभाओं के निर्वाचित विधायक भारत के राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान करते हैं। इस तरह से लोकसभा के 543 और राज्यसभा के 233 सांसद नए राष्ट्रपति को चुनने के लिए 18 जुलाई को मतदान करेंगे। इनके अलावा देशभर की विधानसभाओं के कुल 4,809 एमएलए भी अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे।

राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी एकता का प्रयास दरअसल अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा विरोधी गठबंधन की बुनियाद को मजबूती प्रदान करने की दिशा में बढ़ाया गया कदम था। इसकी शुरुआत पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा गत 15 जून को दिल्ली में बुलाई गई विपक्षी दलों की बैठक से की गई थी। हालांकि उसके पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने भी दिल्ली में गैर भाजपा दलों के नेताओं से बात कर विपक्षी एकता का पांसा चला था। लेकिन राष्ट्रपति चुनाव संबंधी पहल ममता द्वारा ही की गयी। उस बैठक में कुछ भी ठोस निकलकर सामने नहीं आया क्योंकि अनेक विपक्षी दल उससे दूर ही रहे।

वामपंथी दलों को तो बैठक बुलाने के तरीके पर ही आपत्ति थी। लेकिन उसे बिना किसी फैसले के खत्म होने की तोहमत से

बचाने के लिए ममता बनर्जी ने गोपाल कृष्ण गांधी और डा. फारुख अब्दुल्ला का नाम उछालकर औपचारिकता पूरी कर दी थी। शरद पवार बैठक के पूर्व ही राष्ट्रपति चुनाव लडने से इंकार कर चुके थे। चूंकि विपक्ष को अपनी हार साफ दिख रही है, इसलिए विपक्ष ने बुझे दिल से यशवंत सिन्हा के नाम की घोषणा करके औपचारिकता पूरी कर दी है। राष्ट्रपति चुनाव में इतनी दयनीय हालत पहले कभी देखी नहीं गयी।

गोपाल कृष्ण गांधी पिछले चुनाव में भी विपक्ष के संयुक्त प्रत्याशी थे किन्तु भाजपा ने रामनाथ कोविंद को उतारकर जो दलित कार्ड चला उसने विपक्ष के समीकरण बिगाड़ दिए। हालांकि एनडीए के पास इस बार कुछ मत कम पड़ रहे हैं लेकिन उसका आत्मविश्वास ये दर्शा रहा है कि उसने लगभग 2 प्रतिशत मतों के उस टोटे को बीजू जनता दल और वाई.एस.आर. कांग्रेस की मदद से ही पूरा कर लिया है। बावजूद उसके भाजपा विपक्षी दलों से सम्पर्क कर आम सहमति बनाने की कोशिश कर रही है। द्रौपदी मुर्मू को उम्मीदवार घोषित कर विपक्ष की चिंता बढ़ा दी है। विशेषकर हेमंत सोरेन के लिए बहुत मुश्किल होगा पहली आदिवासी राष्ट्रपति उम्मीदवार का समर्थन न करना। छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडीशा के कांग्रेस विधायकों के सामने भी यही दुविधा रहेगी। यद्यपि एक जमाने में कांग्रेस के मुकाबले विपक्ष के काफी कमजोर होने से राष्ट्रपति चुनाव इकतरफा हुआ करता था। केवल 1969 छोड़कर जब स्व. इंदिरा गांधी ने कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी नीलम संजीव रेड्डी के विरुद्ध तत्कालीन उपराष्ट्रपति वी.वी गिरि को उतारकर आत्मा की आवाज पर मतदान का आहवान करते हुए कांग्रेस के विभाजन का रास्ता साफ कर दिया। वामपंथी दलों ने इंदिरा गांधी का साथ दिया और कशमकश भरे चुनाव में श्री गिरि ने दूसरी वरीयता के मतों में 15 हजार की बढ़त लेकर भारतीय राजनीति में इंदिरा युग की शुरुआत कर दी। हालांकि राष्ट्रपति चुनाव में मुकाबला आगे भी होता रहा लेकिन वैसा रोमांच दोबारा देखने नहीं मिला।

विपक्ष ने अनेक मर्तबा मुकाबले की औपचारिकता भी निभाई। क्षेत्रीयता के नाम पर उसमें बिखराव भी हुआ। मसलन श्रीमती प्रतिभा पाटिल को शिवसेना ने मराठी भाषी होने के नाते समर्थन दिया। प्रणब मुखर्जी भी शिवसेना का समर्थन हासिल करने में सफल रहे जिसमें अंबानी परिवार की भूमिका बताई जाती है। लेकिन कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी आज इस स्थिति में नहीं है कि राष्ट्रपति चुनाव में अपनी ओर से एक प्रत्याशी का नाम तक विपक्ष को सुझा सके। क्षेत्रीय दलों के सामने वह किस कदर दबी-दबी नजर आने लगी है उसका ताजा प्रमाण यह चुनाव है जिसमें देश की सबसे पुरानी पार्टी की कोई भूमिका नजर नहीं आ रही। शेष विपक्ष के बिखराव का कारण भी कांग्रेस की उदासीनता ही है।

भाजपा देश के आदिवासी समुदाय और महिलाओं के बीच अपनी पैठ को मजबूत करने में जुटी है, लिहाजा उसके लिए द्रौपदी मुर्मू एक बेहतरीन विकल्प है। मुर्मू बीजेपी के लिए काफी काम भी कर चुकी हैं और मोदी-शाह की करीबी भी मानी जाती हैं। यही नहीं पूर्वी भारत में जड़ें जमा रही बीजेपी को द्रौपदी के सहारे ज्यादा लाभ मिलने की उम्मीद है। राष्ट्रपति चुनाव के अंकगणित में भाजपा और एनडीए का पलड़ा भारी है और ऐसे में मुर्मू का राष्ट्रपति चुना जाना लगभग तय है। जीतने के बाद द्रौपदी मुर्मू देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति भी होगी। उनके पहले ही देश की पहली आदिवासी राज्यपाल बनने का रिकॉर्ड दर्ज है। लेकिन बीजेपी ने उनके नाम को आगे बढ़ाकर देश की आधी आबादी को बड़ा संदेश दिया है।

हाल के चुनाव में बीजेपी को महिलाओं का बड़ा समर्थन मिला है। यही वजह है कि अब बीजेपी महिलाओं की उपस्थिति को नकार नहीं सकती है। विपक्ष वैसे भी बीजेपी पर कैबिनेट में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और महिला सशक्तिकरण बिल पास कराने का दबाव बनाता रहा है। ऐसे में देश के सर्वोच्च पद के लिए सामने लाना वह भी सबसे वंचित आदिवासी वर्ग से उभारने का एक मजबूत राजनीतिक संदेश है। इतना ही नहीं बीजेपी की 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति के लिए भी यह एक कारगर कदम साबित हो सकता है। बीजेपी ने मुर्मू के जरिए सामाजिक और जातिगत समीकरणों को साधने की भी कोशिश की है। दरअसल देश की राजनीति इन दिनों दलितों और पिछड़ा वर्ग के इर्द-गिर्द घूम रही है। आम आदमी पार्टी अब गांधी के नहीं बल्कि बाबा साहेब अम्बेडकर के नाम पर आगे बढ़ रही है। पूर्वी भारत में इस समीकरण का बड़ा महत्व भी है। लिहाजा भाजपा की सामाजिक समीकरणों की रणनीति भी इससे साफहोती है।।

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 126 वर्ष

योगेश कुमार गोयल

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया।

ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2796 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात् 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था। प्राचीन काल में भी ओलम्पिक खेलों का कितना महत्व था, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ईसा पूर्व पांचवीं शताब्दी में ग्रीस से एक महान् गीतकार पिन्डार ने लिखा था कि जिस प्रकार दिन के समय आकाश में सूर्य के समान गर्म और चमकदार कोई सितारा नहीं होता, उसी प्रकार ओलम्पिक खेलों से बड़ी कोई प्रतियोगिता नहीं है। 776 ई.पू. शुरू हुए ओलम्पिक में एलिस के एक रसोईये कोरोबस ने भी हिस्सा लिया था, जो 210 गज (लगभग 192 मीटर) की नग्न दौड़ में जीतकर प्राचीन ओलम्पिक का प्रथम चैम्पियन बना था। आज भी उसे इतिहास में सबसे पहला ओलम्पिक चैम्पियन माना जाता है। प्राचीन ओलम्पिक 776 ई.पू. से लेकर वर्ष 393 तक हर चार-चार वर्ष के अंतराल पर निरन्तर आयोजित होते रहे किन्तु तब तक इन खेलों में खेल भावना सर्वोपरि होने के बजाय धोखाधड़ी, ईर्ष्या और घटिया शर्तों ने ओलम्पिक में अहम स्थान बना लिया था, जिसके चलते रोमन सम्राट थ्योडॉसियस ने सन् 393 में ओलम्पिक खेलों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। इस प्रकार ओलम्पिक खेलों का एक बहुत लंबा अध्याय वहीं समाप्त हो गया था।

करीब 1500 वर्ष बाद फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला

रखी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उत्साहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्ट्स एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रेंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

वो समझते तो

वो समझते तो हम भी कह ही देते, ये इश्क था गजल नही कि यूँ ही गा लेते। वो रहते गर सामने तो उन्हे निहार लेते, इन बेरौनक वादियों में कैसे दिल लगाते। होता गर तकदीर तो हम साथ होते, नही हैं तो क्या शिकायत करते। जगाती है घनेरी रात हमें हिज्र देके, साथ होते तो इश्क ओढ़ कर सो गए होते। – **प्रीति श्रीवास्तव**

सरकारी नाटक

सरकारी नाटक कई प्रकार के होते हैं। एक है, किसी चीज पर प्रतिबंध लगाना। जैसे- शराब, गुटखा, पॉलीथिन आदि। सरकार द्वारा प्रतिबन्ध का तरीका देखिए। सरकार प्रतिबंधित कर किसी चीज के इस्तेमाल से रोकती है, उसके निर्माण से नहीं। अज़ीब नौटंकी है। – **अर्पित अनाम**

ख़ास पाती

चलो अच्छा है कम से

चलो अच्छा है कम से कम बारिशें नहीं जानती दुनियावी सलीके ये करती है कहीं से भी घुसपैठ मानो घूम रहा हो हाथ फैलाये शरारती कोई रॉकेट बच्चा, खिड़की के इस पार सांकल तोड़ भीगने लगता है तरल मन छूट जाती है सूखी देह खिड़की के उस पार ही कहीं..! बारिश के बादल घुमड़ने लगते हैं उम्रदराज़ आँखों में, मन की दरकती ज़मीन पर भरने लगती हैं दरारें/ नम होने लगते हैं धरती की कोख में अलसाये पड़े बंजर स्वप्न.. न जाने क्या क्या उगने लगता है आँखों की कोरों में और ये सब होता है बारिश के जमीन पर पांव रखने से बहुत पहले। – **अल्पना नागर**

सुनों, एकदम से बारिश होना

सुनों, एकदम से बारिश होना फिर एकदम से तुम्हारा मुझसे मिलने आ जाना... मेरा मन से तुमको सोचना... फिर उसी सोच का तुमसें मुस्कुरा कर फोन आ जाना... बारिश की हल्की -हल्की बूंदे.. फिर एकदम से तुम्हारा मेरे पास हवाओं संग आ जाना हँस कर खुशी में बोलना.. फिर एकदम से .. तुम्हारा मुझे पागल कह जाना बिखरती बारिश सी मैं... फिर एकदम से तेरे दिल का मेरे दिल को छू जाना... खोलना राज कभी अपने दिल के फिर एकदम से.. तुम भी बारिश बनकर प्यार में बरस जाना.... एक बार तुम यूँ भी आ जाना... मैं तुम्हें देख यूँ भी मुस्कुरा दूँगी....!! – **नंदिता तनूजा**

सुनों, एकदम से बारिश होना

देश मजबूत ना हो जाए, राफेल पर आपत्ति, देश स्वस्थ ना हो, वैक्सीन पर आपत्ति, हिंदुत्व मजबूत ना हो, मंदिर पर आपत्ति, सेना सशक्त क्यों हो रही है, अग्निवीरों पर आपत्ति। –**अश्क शायर**

हमारे घर की बरक़त हो

हमारे घर की बरक़त हो सनम तुम हरिक रिश्ते की अज़्मत हो सनम तुम मैं इज्ज़त हूँ तो ताक़त हो सनम तुम, रहूँ महफ़ूज़ वो छत हो सनम तुम ख़ुदा के दर पे सजदा रोज़ कर के, तुम्हें पाया है नेमत हो सनम तुम पुरानी हो गयी उल्फ़त भले ही, मगर मेरी हक़ीक़त हो सनम तुम गुनाहों की सज़ा पाने खड़ी हूँ, जहां भर की अदालत हो सनम तुम दुआओं में तुम्हें माँगा है मैंनें, मेरी क़िस्मत मुहब्बत हो सनम तुम। – **अंजली यादव**

ला मुझको शराब दे, मैं नशे की

ला मुझको शराब दे, मैं नशे की बात करूंगा जाति-औ-धर्म से उठकर, मैं सही बात करूंगा आज़ाद जो करता है, सिर्फइश्क का नशा है इश्क में मुब्तिला मसीहा, सच्ची बात करूंगा। – **केदार नाथ शब्द मसीहा**

अदृश्य मन के भीतर पलती

अदृश्य मन के भीतर पलती ढलती अभिलाषा और आशा हमारी यात्राओं का ईंधन है चाहे वो यात्राएं पग की हो या जग की किसी पथ की हो या किसी जन्म की। मोह से ना बंधे तो आशा मुक्तिदायी हो सकती है और दृश्य के छल से ना बंधे तो दृष्टि दिव्य हो सकती है। उस पार देख सके तो ज्ञानी उस पार जा सके तो ध्यानी। – **कुलदीप वर्मा**

जो कहता था तू मेरी दुनिया

जो कहता था तू मेरी दुनिया है,,, आजकल उसने रिंगटोन सेट कर रखा है,,, छोड़ दे सारी दुनिया किसी के लिए,,, ये मुनासिब नहीं आदमी के लिए,,, मोरल ऑफद स्टोरी ये है की,,, खुद के सिवा किसी का भरोसा न करें,,, पता नहीं कौन कब टर्न ले ले। – **तनु युगराज**

QUIZ TIME

1) वैज्ञानिकों ने किस राज्य / केन्द्रशासित में एक मैड्सोइडडी साँप के जीवाश्म की खोज की?

2) फोर्ब्स की सबसे अधिक भुगतान वाले एथलीटों की सूची 2020 में कौन सबसे ऊपर है 130 मिलियन डालर की रिपोर्ट की गई आय के साथ?

3) किस बीमा कम्पनी ने भारत की पहली दंत स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू की है?

4) कारों और ड्रोन उड़ाने के लिए दुनिया का पहला शहरी हवाई अड्डा पॉप-अप 'एयर वन' किस देश में खोला गया है?

5) 4 मई, 2022 को किसे यूएस नेशनल एकेडमी ऑफसाइन्सेज के लिए चुना गया?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) लद्दाख (2) लियोनेल मेसी (3) पीएनबी मेटलाइफइंडिया इन्शुरन्स कंपनी (4) यूनाइटेड किंगडम (5) डॉ. कमल बावा

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। देश और दुनिया के इतिहास में 23 जून की कुछ महत्वपूर्ण घटनाएं इस प्रकार हैंः- 1661- ब्रिटेन के सम्राट चार्ल्स द्वितीय का पुर्तगाल की राजकुमारी से विवाह हुआ और पुर्तगाल ने दहेज के रूप में बम्बई (मुंबई) को ब्रिटेन को सौंप दिया। 1757- पलासी की लड़ाई में अंग्रेजों के हाथों सिराजुद्दौला की पराजय। 1761- मराठा शासक पेशवा बालाजी बाजी राव का निधन। 1810- बॉम्बे के डंकन डॉक का निर्माण कार्य पूरा हुआ। 1868- क्रिस्लटोफर एल शोल्ल्स को टाइपराइटर के लिए पेटेंट मिला। 1953- जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का निधन। 1956- जमाल अब्दुल नासिर मिस्र के राष्ट्रपति चुने गए। 1960- जापान और अमेरिका के बीच सुरक्षा समझौता। 1980- पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के छोटे पुत्र संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मौत। 1985-एयर इंडिया का एक यात्री विमान आयरलैंड तट के करीब हवा में दुर्घटनाग्रस्त। सभी 329 यात्रियों की मौत। 1992- न्यूयॉर्क के अपराध जगत के सरगना और क्षेत्र के सबसे बड़े माफिया परिवार के प्रमुख गोत्ती को धोखाधड़ी और हत्या के पांच मामलों में उम्रकैद की सजा सुनाई गई। 1994-संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने दक्षिण अफ्रीका की सदस्यता को मंजूर किया। 1994- उत्तरी कोरिया द्वारा परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने की घोषणा। 2008- टायर बनाने वाली देश की प्रमुख कम्पनी जेके टायर इण्डिया लिमिटेड ने मैक्सिको की टायर कम्पनी टोर्नल एवं उसकी सहायक कम्पनियों का 270 करोड़ डालर में अधिग्रहण किया।

न्यूज गैलरी

सामान्य सभा की बैठक आज

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक 23 जून गुरूवार को जिला पंचायत सभाकक्ष बिलासपुर में आयोजित की गई है। इसकी अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सिंह चौहान करेंगे। पूर्व में यह बैठक 22 जून को आयोजित की गई थी लेकिन अपरिहार्य कारणों से बैठक की तिथि मे परिवर्तन किया गया है।

सीएम के खिलाफ मीडिया में भ्रामक पोस्ट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। सिविल लाइन पुलिस ने मंगलवार को सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ इंटरनेट मीडिया में भ्रामक पोस्ट करने वाले भाजपा नेता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी परिवेश तिवारी ने बताया कि बीते दिनों कुछ लोगों ने सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ इंटरनेट मीडिया में भ्रामक पोस्ट किया था। कांग्रेस नेताओं ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाने में की थी। इसके अलावा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए जुर्म दर्ज कर आरोपित की तलाश की जा रही थी। एक व्यक्ति को पुलिस ने पहले की गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, मामले में विनोबा नगर में रहने वाले प्रमोद सिंह की तलाश चल रही थी। प्रमोद सिंह भाजपा के आइटी सेल से जुड़ा हुआ है। मंगलवार को पुलिस ने मामले में आरोपित भाजपा नेता को गिरफ्तार कर लिया है। उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

लूट के बाद फरार आरोपित गिरफ्तार, बाइक जब्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। कोनी क्षेत्र में एक महीने पहले हुए लूट के मामले में फरार एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक जब्त की गई है। मामले में एक आरोपित पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। वहीं, एक आरोपित की तलाश की जा रही है। कोनी थाना प्रभारी सुनील तिर्की ने बताया कि 18 मई को सेमरताल में रहने वाले मुकेश खरे ने लूट की शिकायत की थी। पीड़ित ने बताया कि 17 मई को शादी में शामिल होने के लिए मस्तूरी क्षेत्र के लिमतरा गया था। वहां से अपने दोस्त के साथ घर लौट रहे थे। रात तीन बजे वे बिरकोना के पास पहुंचे थे। इसी बीच बाइपास में बाइक सवार तीन युवकों ने उन्हें रोककर मारपीट की। इसके बाद उनका मोबाइल लूटकर भाग निकले। शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी। इसी बीच साइबर सेल से मिली जानकारी के बाद पुलिस ने सरकंडा क्षेत्र में रहने वाले राजेंद्र साहू को लूट के मोबाइल के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपित से पूछताछ में मिली जानकारी के बाद पुलिस बहतराई अटल आवास में रहने वाले विजय सिंह ठाकुर(24) और उसके साथी राजवीर की तलाश कर रही थी। मंगलवार को सूचना मिली कि आरोपित विजय अपने घर आया है। इस पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक जब्त की गई है। वहीं, राजवीर की तलाश की जा रही है।

प्रशासन ने 6 श्रमिकों को कराया बंधक मुक्त, सकुशल हुई वापसी

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला प्रशासन द्वारा उत्तरप्रदेश राज्य के गोरखपुर में बंधक बनाए गए पथरिया विकासखण्ड के 06 श्रमिकों को बंधकमुक्त कराकर सकुशल उनके गृहग्राम बावली भेजा गया। जिला प्रशासन को 13 जून को उत्तर प्रदेश राज्य के गोरखपुर में जिले के 06 श्रमिकों को बंधक बनाए जाने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुआ था। उक्त शिकायत को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने गंभीरता से लिया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर श्रम विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा तहसील पथरिया के सरगांव थाना अंतर्गत ग्राम बावली के 6 श्रमिकों को दुर्गावती देवी ईंट भट्ठा ग्राम लकोड़ी थाना कौड़ीराम जिला गोरखपुर उत्तरप्रदेश से मुक्त कराकर सकुशल उनके गृहग्राम तक पहुंचाया गया।

अस्पताल कैम्पस से 500 मीटर तक की परिधि में प्राइवेट एम्बुलेंस का पार्किंग प्रतिबंध

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर मुंगेली अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा जिला अस्पताल के कैम्पस से 500 मीटर तक की परिधि में प्राइवेट एम्बुलेंस का पार्किंग पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद भी दो निजी एम्बुलेंस द्वारा जिला अस्पताल के कैम्पस से 500 मीटर तक की परिधि में पार्किंग किया गया। जिसके फलस्वरूप उन्हें जब्त किया गया है। मुंगेली अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने बताया कि 01 माह पहले प्राइवेट एम्बुलेंस चालकों को जिला अस्पताल के कैम्पस से 500 मीटर तक की परिधि में एम्बुलेंस को पार्किंग न करने की समझाईश दी गई थी। लेकिन प्राइवेट एम्बुलेंस के आपरेटर द्वारा जिला अस्पताल के कैम्पस से 500 मीटर तक की परिधि पर एम्बुलेंस की पार्किंग कर जिला अस्पताल पहुंचे मरीजों को गलत तरीके से जिला अस्पताल से निजी अस्पताल पहुंचाने का काम किया जाता था। इसे देखते हुए उन्होंने आज जिला अस्पताल के कैम्पस से 500 मीटर तक की परिधि में पार्क करने वाले दो निजी एम्बुलेंस को जब्त किया गया।

हेड कांस्टेबल का एक पद सुरक्षित रखने हाई कोर्ट का आदेश

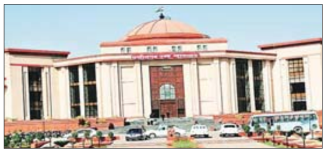

बिलासपुर/नवप्रदेश। नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता प्राप्त करने के मामले में पुलिस विभाग में चल रही पदोन्ति प्रक्रिया में प्रधान आरक्षक का एक पद सुरक्षित रखने हाई कोर्ट ने निर्देश जारी किए है। रायपुर जिले में सिपाही के पद पर पदस्थ राजेंद्र तिवारी की नियुक्ति राजनंदगांव जिले में वर्ष 2006 में हुई थी। इसके बाद पुलिस प्रशासन नें वर्ष 2007 में संबद्धता पर रायपुर जिला स्थानांतरित कर दिया था। इसी दौरान उनका स्थानांतरण वर्ष 2013 में रायपुर में कर दिया गया। प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्ति पाने के लिए सभी अहर्ता के बाद भी एक जिले से दूसरे जिले में स्थानांतरण के चलते वर्ष 2022 में जारी हुई वरिष्ठता सूची में पीछे रखा गया था। विभाग के फैसले को चुनौती देते हुए अधिवक्ता अनादि शर्मा के जरिये हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की। मामले की सुनवाई जस्टिस राजेंद्र चन्द्र सिंह सामंत की सिंगल बेंच में हुई।

सुनवाई के दौरान अधिवक्ता अनादि शर्मा कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता को उनकी नियुक्ति की तिथि से वरिष्ठता का लाभ दिया जाना न्यायसंगत होगा। याचिकाकर्ता को पूर्व में किये गए स्थानांतरण के चलते उनको वरिष्ठता में पीछे कर देना, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 में वरिष्ठता से संबंधित निहित प्रविधानों और छत्तीसगढ़ पुलिस कार्यपालिक (आरक्षक से प्रधान आरक्षक एवं प्रधान आरक्षक से सहायक उप निरीक्षक) पदोन्ति मानक संचालन प्रक्रिया, 2021 के नियमों के विपरीत है। याचिकाकर्ता नियुक्ति के कुछ समय बाद से लगातार रायपुर जिले में पदस्थ रहे हैं। ऐसी स्तिथि में जब याचिकाकर्ता शुरुआत से लेकर लगातार सिविल पुलिस में और रायपुर जिले में सिपाही के पद पर पदस्थ रहे हैं, तो उनकी आरक्षक पर वरिष्ठता की गणना नियुक्ति तिथि से की जाएगी न ही उस तिथि से जब उनका स्थानांतरण वर्ष 2013 में रायपुर जिले में किया गया था।

दावा-आपत्ति पर नहीं हुई सुनवाई

विभाग द्वारा कांस्टेबल से प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्ति के लिए जो पहली पात्रता एवं वरिष्ठता सूची विभाग द्वारा जारी कि गई थी। इस पर याचिकाकर्ता नें अपनी वरिष्ठता में सुधार के लिए दावा-आपत्ति पेश की थी। पुलिस महानिरीक्षक, रायपुर रेंज के द्वारा निरस्त कर दी गई थी और वर्तमान में एक दावा आपत्ति पुलिस महानिदेशक, छत्तीसगढ़ के पास लंबित है। कांस्टेबल से प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्ति प्रक्रिया के चलते और याचिकाकर्ता कि वरिष्ठता में जब तक सुधार नहीं होता तब तक याचिकाकर्ता के लिए प्रधान आरक्षक का एक पद सुरक्षित रखने की मांग अधिवक्ता ने की। जिस पर सरकारी अधिवक्ता द्वारा मामले के संबंध में उचित मार्गदर्शन लेने के लिए समय की मांग की गई। उपरोक्त तर्कों के आधार पर जस्टिस सामंत नें याचिकाकर्ता को अंतरिम राहत देते हुए अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ता के लिए प्रधान आरक्षक का एक पद सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई एक जुलाई को होगी।

शाला प्रवेश उत्सव में शामिल हुए डॉ साहू

मुंगेली/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं शिक्षा मंत्री डा.प्रेम साय सिंह टेकाम के योजनातर्गत जिला कांग्रेस कमेटी मुंगेली के उपाध्यक्ष जनपद सदस्य प्रतिनिधि एवं शाला विकास समिति के अध्यक्ष डॉ रामकुमार साहू के द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला टेमरी में कक्षा नवमी एवं 11वीं में प्रवेश लेने वाले छात्र एवं छात्राओं को तिलक लगाकर, निःशुल्क पुस्तक वितरण कर प्रवेश दिलाया। डॉ साहू द्वारा सभी छात्रों को प्रतिदिन स्कूल आने तथा अनुशासन के साथ पढ़ाई कर अच्छे अंक प्राप्त करने कहा। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य सुनील मिश्रा, व्याख्याता राजेंद्र शर्मा, पवन देवांगन, प्रेम चंद साहू, ममता जांगड़े, दीपिका निशा प्रजापति, मीनाक्षी चतुर्वेदी, रामअवतार कंवर, निशांत कुमार, पुष्पा लीना पैकरा सहित स्टाफ के कर्मचारी छात्र उपस्थित रहे।

ट्रांसफार्मर ने खत्म किया फुटपाथ का अस्तित्व

बिलासपुर/नवप्रदेश। सीपत चौक से सीएमएचओ कार्यालय तक यदि जाम लगता है और पैदल चलने में परेशानी होती है तो इसकी सबसे प्रमुख फुटपाथ का अभाव है। ऐसा नहीं है कि सड़क के किनारे यह सुविधा न हो। पर बिजली वितरण कंपनी ने ट्रांसफार्मर लगाकर फुटपाथ का अस्तित्व ही खत्म कर दिया है। सबसे विडंबना की बात है कि यह अव्यवस्था किसी को नजर ही नहीं आती है। सीएमएचओ कार्यालय के पास तो एक नहीं, बल्कि दो ट्रांसफार्मर लगे हैं। इसके अलावा तार भी फुटपाथ की तरफ ही निकला हुआ है। इसके चलते लोग फुटपाथ पर चलने से डरते हैं। यही वजह है की धीरे-धीरे इसका उपयोग बंद हो गया है। अब फुटपाथ में ठेले लग रहे हैं। इसके कारण फुटपाथ पर चलना मुश्किल है।

यदि फुटपाथ पहले की तरह अस्तित्व में आता है तो पैदल चलने वाले लोगों को सड़क पर चलने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। इससे सड़क दुर्घटनाओं में विराम लगेगा। सरकंडा एचडीएफसी बैंक के पास ट्रांसफार्मर तो ऐसे लगा है मानो यह बेरीकेड हो। इससे आगे जाना प्रतिबंधित है। जबकि ट्रांसफार्मर के पीछे के हिस्से में नाले के ऊपर पत्थर रखा हुआ और पैदल चलने के लिए आसानी से काम आ सकता है। पहले यह फुटपाथ ही था। पर नाली निर्माण के दौरान उसे हटा दिया गया। सीपत चौक के पास ही फुटपाथ के प्रवेश में ही ट्रांसफार्मर लगा दिया गया है। इसके कारण फुटपाथ का अस्तित्व ही खत्म हो गया है। लोग एक कदम भी नहीं चल पा रहे हैं। उल्टा ट्रांसफार्मर लगने से दुकान संचालकों की चांदी हो गई है। दुकान के सामने से लेकर गाड़ियों की पार्किंग के लिए फुटपाथ का ही उपयोग किया जा रहा है, जबकि यह चौक संकरा होने के साथ हमेशा जाम लगता है। यदि ट्रांसफार्मर हट जाता है तो यह फुटपाथ पैदल चलने वाले लोगों के लिए बड़ी राहत देगा।

ट्रेवल्स संचालक से मारपीट कर लूट लिया सोने की चेन

बिलासपुर। सरकंडा थाने के पास सड़क हादसे में गिरकर घायल ट्रेवल्स संचालक से मारपीट कर लूट का मामला सामने आया है। इसकी शिकायत पर पुलिस ने जांच के बाद दो नाबालिग समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लूट का चेन जब्त कर आरोपित को न्यायालय में पेश किया है। सरकंडा के शास्त्री नगर में रहने वाले देवेंद्र मिश्रा(24) ट्रेवल्स संचालक हैं। सोमवार की रात 12.30 वे लोयला स्कूल की ओर से अपने घर लौट रहे थे। बहतराई चौक के पास एक्टिवा अनियंत्रित होने से वे सड़क पर गिर गए। घटना के बाद कुछ लड़के वहां पर दौड़कर आए। उन्होंने घायल देवेंद्र से मारपीट की। इसी बीच लड़के उनकी सोने की चेन लूटकर भागने लगे। ट्रेवल्स संचालक ने उन्हें पकड़ने के लिए दौड़ाया इसी बीच वे उनकी नजरों से गायब हो गए। थाने से महज कुछ मीटर की दूरी पर हुई इस घटना की जानकारी उन्होंने पुलिस को दी। इस पर पुलिस मामला दर्ज कर लुटेरों की तलाश में जुट गई।

किसानों को समय पर मिले खाद व बीज, गोबर खरीदी में लापरवाही नहीं करेंगे बर्दाश्त : कलेक्टर

बिलासपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर डा. सारांश मित्तर ने मंगलवार को मंथन सभाकक्ष में समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक ली। उन्होंने गोधन न्याय योजना की प्रगति की समीक्षा की तथा वर्मी कंपोस्ट और सुपर कंपोस्ट खाद के विक्रय एवं उठाव की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। कलेक्टर डा. मित्तर नें समितियों से लक्ष्य के अनुरूप गोबर उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर डा. मित्तर ने लक्ष्य के अनुरूप गोबर खरीदी और गुणवत्तायुक्त खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने पंजीकृत विक्रेताओं से समन्वय स्थापित कर लक्ष्य के अनुरूप गोबर खरीदी करने कहा। कलेक्टर ने कहा कि बारिश का मौसम खेती किसानी का सीजन होता है इसलिए किसानों को खाद एवं बीज सहित अन्य किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने डीएपी, यूरिया तथा वर्मी कंपोस्ट खाद आदि की उपलब्धता की जानकारी ली तथा किसानों को मांग के अनुरूप खाद उपलब्ध कराने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। टोकन सिस्टम से खाद उठाव की व्यवस्था करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर डा. सारांश मित्तर नें धान के बदले अन्य फसलों को प्रोत्साहन दिए जाने के संबंध में प्रगति की समीक्षा की तथा लक्ष्य के अनुरूप अन्य फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए कार्य योजना बनाने संबंधित अधिकारियों को कहा है। कलेक्टर ने आवर्ती चराई योजना के संबंध में भी जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली तथा योजना के अंतर्गत जगह चिन्हांकित कर ढांचा बनाने के निर्देश दिए।

रायपुर-बिलासपुर हाईवे पर निर्माण सामग्री डंप, मुश्किल हुआ सफर

बिलासपुर/नवप्रदेश। रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे के बीच में पत्थर, मुरुम, गिट्टी डंप कर दिया गया है। इससे आने जाने वाले वाहनों के लिए सड़क की चौड़ाई कम हो गई है। कई जगह की नाली खुली पड़ी है। इससे सफर करने वालों के लिए खतरा बना हुआ है। जगह-जगह गड्ढे से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे यह मार्ग बेहत खतरनाक हो गया है। रात को अंधेरा होने के कारण दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। चार दिनों से लगातार वर्षा होने के कारण पेंड्रीडीह ब्रिज के आसपास सड़क जर्जर हो गई है। एनएचएआइ विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मटेरियल को हटवाने के लिए कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। सड़क में कई जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं।

दो दिन पहले जर्जर सड़क के कारण एक दोपहिया वाहन चालक अनियंत्रित होकर गिर गया था। इससे उसे गंभीर चोट लगी थी। पूरी सड़क पर पानी भरने के कारण गड्ढों का वाहन चालकों का पता नहीं चल पाता हैं। सड़क की किनारे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे यहां से निकलने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुल से लगी सड़क का करीब 15 फीट हिस्सा जर्जर हो चुकी है। इसमें एक तरफकी रिटेनिंग वाल बेहत खराब स्थिति में है। सड़क पर बड़े-बड़े पत्थर बिखरे पड़े हैं। दूसरी ओर एनएचएआइ के अधिकारी सड़क को दुरूस्त करने पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सड़क से पत्थर, गिट्टी,मुरुम को नहीं हटवाया जा रहा है।

महिला स्व सहायता समूह को हाईकोर्ट से मिली राहत, खाद्य सचिव को किया तलब

बिलासपुर/नवप्रदेश। महिला स्व सहायता समूह की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता को राहत देते हुए निलंबन की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने खाद्य सचिव सहित आधा दर्जन अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। महिला स्व सहायता समूह ने अपने वकील के जरिए हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा है कि बिलासपुर जिले के तखतपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत भरारी में बीते चार साल से आस्था महिला स्व सहायता समूह द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुकान का संचालन किया जा रहा है।

याचिका के अनुसार उपसरपंच और कुछ पंचों ने खाद्यान्न् न मिलने की झूठी शिकायत की थी। शिकायतकर्ताओं ने राशन दुकान का लाइसेंस निलंबित करने की मांग की थी। उपसरपंच व कुछ पंचों ने कलेक्टर से भी इस संबंध में शिकातय की। शिकायत के आधार पर कलेक्टर ने खाद्यान्न् आवंटन की स्थिति की पड़ताल करने एसडीएम को निर्देश जारी किया। एसडीएम ने खाद्य विभाग को इस संबंध में जांच कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। याचिका के अनुसार खाद्य निरीक्षक ने राशन कार्डधारकों को प्रति महीने आवंटित की जाने वाली खाद्यान्न् की जांच की।

टैबलेट में पूरा विवरण भी देखा। इसके बाद भी दुर्भावनापूर्वक राशन दुकान के खिलाफ गलत रिपोर्ट पेश कर दी। आवंटन न होने की झूठी जानकारी खाद्य नियंत्रक को पेश कर दी है। जांच रिपोर्ट एसडीएम कार्यालय पहुंचने के बाद राशन दुकान का लाइसेंस निलंबित करने राजनीतिक रूप से दबाव बनाने की कोशिश की। याचिकाकर्ता ने अपने वकील के जरिए हाई कोर्ट के समक्ष आशंका जाहिर करते हुए कहा कि खाद्यान्न् आवंटन की स्थिति ठीक होने और कार्डधारकों को प्रति महीने शासन की योजना के तहत खाद्यान्न् की आपूर्ति के बाद भी स्थानीय राजनीतिक व गुटबाजी के चलते दुर्भावनावश दुकान का लाइसेंस रद कराने दबाव बनाया जा रहा है।

सृष्टि शर्मा होंगी स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल की प्राचार्या

मुंगेली/नवप्रदेश। विकासखण्ड मुंगेली के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोना की व्याख्याता श्रीमती सृष्टि शर्मा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम दाऊपारा मुंगेली की प्राचार्य होंगी। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार श्रीमती शर्मा को उक्त स्कूल में प्राचार्य के पद पर अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ किया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा आईपी यादव प्राचार्य स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम दाऊपारा मुंगेली की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर उनके मूल संस्था शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गंगद्वारी विकासखण्ड पथरिया में अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त प्राचार्य के पद पर पदस्थ किया गया है।

7 गांवों में विभिन्न निर्माण कार्यो के लिए 3 करोड़ 1 लाख रुपए बैठक में स्वीकृत

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर डॉ. सिंह ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेस्टोफि टिंग, नल जल प्रदाय योजना, सोलर आधारित एकल ग्राम योजना, विद्युत आधारित एकल ग्राम योजना तथा समूह ग्राम योजना के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने जिले के 07 ग्रामों के लिए 03 करोड़ 01 लाख 43 हजार रूपए के विभिन्न कार्यों का अनुमोदन किया। इनमें विकासखण्ड लोरमी के ग्राम पीथमपुर के लिए 46 लाख 52 हजार रूपए, ग्राम कान्हरपुर के लिए 23 लाख 50 हजार रूपए, मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम जंगलपुर के लिए 11 लाख 54 हजार, ग्राम कोईलारी के लिए 05 लाख 96 हजार, ग्राम दामापुर के लिए 48 लाख 53 हजार, ग्राम औराबांधा के लिए 25 लाख 74 हजार और ग्राम कोसमा के लिए 01 करोड़ 39 लाख 64 हजार रूपए की राशि का प्रशासकीय अनुमोदन शामिल है।

दिव्यांगों को दी बैटरी वाली ट्राइसिकल तीन महीने में ही हो गई खराब

बिलासपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के दिव्यांगों को मुफ्त बैटरी वाली ट्राइसिकल बांटी गई है। दो माह के भीतर ही बैटरी खराब होने की शिकायत मिल रही है। मंगलवार को दिव्यांग महिला दस माह के बच्ची को लेकर ट्राइसिकल को धक्का लगवाती हुई कलेक्टर कार्यालय पहुंची। कलेक्टर डा. सारांश मित्तर से खराब ट्राइसिकल वितरण करने की शिकायत की है। बैटरी की मरम्मत करवाने के लिए भी कहा है। सरकार के द्वारा दी गई बैटरी वाली ट्राइसिकल दिव्यांगों के लिए अब परेशानी बन चुकी है। थोड़ी ही दिनों में ट्राइसिकल की बैटरी खराब हो रही है। इसके चलते अब दिव्यांगों को परेशान होना पड़ रहा है। ट्राइसिकल को धक्का लगाना पड़ रहा है।

मंगलवार को उसलापुर के अटल आवास के रहने वाली संतोषी मंगेश्कर ने अपनी शिकायत में बताया कि वे पचपन से दोनों पैरों से दिव्यांग हैं। पहली बार शासन की ओर से बैटरी वाली ट्राइसिकल मिली है। दो माह के भीतर बैटरी खराब हो गई है। इससे ट्राइसिकल को भी धक्का लगाना पड़ रहा है। बैटरी को बनाने के लिए कोई वर्कशाप भी नहीं है। इसकी बैटरी बहुत महंगी आती है। नई बैटरी लेने के लिए पैसे भी नहीं है। राज्य सरकार ने खराब ट्राइसिकल बंटवाकर सिर्फ खनापूर्ति कर दी है।

बैटरी खराब होने के कारण अब दिव्यांगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैटरी वाली ट्राइसिकल मिलने के बावजूद कोई फायदा नहीं है। संतोषी ने कहा कि युवा लोग हैं वह तो किसी तरह से धक्का लगाकर चला लेते हैं, लेकिन महिलाओं व बुजुर्ग बहुत परेशान होते हैं। सरकारी द्वारा दी गई बैटरी चलित ट्राइसिकल कुछ ही महीनों में खराब हो रही है। इसके बाद यह कोई काम नहीं आ रहा है। महिला ने नई ट्राइसिकल दिलवाने मांग की है। ताकि आने जाने में कोई परेशानी न हो। धक्का लगवाने के लिए अतिरिक्त व्यक्ति रखना न पड़े।

वर्षाकाल में नहीं कटेंगे एटीआर के गांव, बनेगी लोहे के पुल की डगर

बिलासपुर/नवप्रदेश। अचानकमार टाइगर रिजर्व के ऐसे गांव, जो वर्षाकाल में कट जाते हैं। ऐसे गांवों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा नदी-नालों में लोहे का पुल तैयार करने का निर्णय लिया है। इस पुल के निर्माण में विभाग को खर्च भी ज्यादा नहीं करना पड़ेगा। साथ ही यह मजबूत भी रहेगा। अभी सर्वे की शुरुआत है। लिहाजा ऐसे गांवों की सूची तो नहीं बन सकी है पर अब तक जो जानकारी मिली है उसके अनुसार सुरही रेंज के चार गांव महामाई, राजक, निवासखार व डगनिया शामिल हैं, जहां वर्षा के सीजन में यह समस्या जाती है। करीब तीन से चार हजार की संख्या वाले यह गांव जब तक विस्थापित नहीं हो जाते हैं, इनका ख्याल रखने की जवाबदारी वन विभाग की है।

वर्षाकाल में आने वाली यह बड़ी समस्या है। जिसे लेकर अफसरों के बीच कई दिनों से मंथन भी चला। इस बीच कई तरह की मुद्दों पर चर्चा हुई। आखिर में लोहे के ब्रिज को लेकर सहमति बनी। हालांकि इस वर्षा के सीजन में ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन अगले वर्षाकाल तक इसका निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। इस पुल के दोनों तरफ तीन-तीन फीट की रेलिंग रहेगी, ताकि गिरने का खतरा नहीं रहेगा। इसके अलावा नदी वाले हिस्से में लोहे से टिका होगा। इसकी लंबाई भी 70 से 80 मीटर के करीब होगी।

असुरक्षित हो जाते हैं क्षेत्र

पुल बनाने के बाद ग्रामीणों को राहत तो मिलेगी ही लेकिन इसका ज्यादा फायदा टाइगर रिजर्व प्रबंधन को होगा। दरअसल वर्षाकाल में गांव अलग हो जाते हैं। यहां अमला पहुंच नहीं पाता है। इससे शिकार की घटना की आशंका रहती है।

रेलवे के फुट ओवरब्रिज जैसा होगा पुल

टाइगर रिजर्व प्रबंधन इस पुल का निर्माण रेलवे के फुट ओवरब्रिज की तर्ज पर करेगा। ब्रिज के लिए पहले लोहे का ढांचा तैयार किया जाता है। इसके बाद पैदल चलने के लिए सीमेंट के स्लीपर लगाए जाते हैं। यह ब्रिज इतना मजबूत रहता है कि यात्रियों की इतनी भीड़ में भी किसी तरह नुकसान नहीं होता। आवश्यकता पड़ने पर टाइगर रिजर्व प्रबंधन रेलवे के इंजीनियरों की मदद भी लेगा।

टाइगर रिजर्व के अंदर वर्षाकाल में कई गांव कट जाते हैं। इससे ग्रामीणों के साथ वन अफसर व कर्मियों में दिक्कत होती है। विभाग इन क्षेत्रों की निगरानी भी नहीं कर पाता। इसलिए लोहे का ब्रिज बनाने का निर्णय लिया गया है।

न्यूज गैलरी

किसानों के मक्का बिक्री की नहीं मिली राशि, सांसद ने लिया संज्ञान में

कांकेर/नवप्रदेश। पखांजूर क्षेत्र में मक्का बिक्री की राशि का भुगतान नहीं किए जाने का मामला इन दिनों सुर्खियों में रहा है। सुमन राय व्यापारी से ठगी के शिकार हुए पखांजूर के 996 किसानों का लगभग 8 करोड का भुगतान नहीं किए जाने से पखांजूर क्षेत्र के किसानों द्वारा आंदोलन किया जा रहा है। कांकेर सांसद मोहन मंडावी ने पखांजूर प्रवास के दौरान मामले को संज्ञान में तत्काल लेकर व्यापारी सुमन राय के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही कर ठगी करने वाले की संपति कुर्क कर पीड़ित किसानों को राशि का भुगतान करने का निर्देश एसडीएम पखांजूर को दिए।

23 से दिव्यांगजनों का चिन्हांकन व परीक्षण शिविर का आयोजन

बीजापुर/नवप्रदेश। जिले में चिल्ड्रन इंडिया कार्यक्रम के तहत 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों सहित अन्य दिव्यांगजनों के चिन्हांकन सहित चिकित्सा परीक्षण शिविर का आयोजन 23 जून से किया जा रहा है। इस दिशा में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैरमगढ़ में 23 जून जिला अस्पताल बीजापुर में 24 जून, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भोपालपटनम में 30 जून तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उसूर में 1 जुलाई को प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक दिव्यांगजनों का चिन्हांकन एवं चिकित्सा परीक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान ऑर्थोपेडिक, नाक-कान एवं गला रोग विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट एवं अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा दिव्यांग बच्चों एवं अन्य दिव्यांगजनों का चिन्हांकन एवं चिकित्सा परीक्षण किया जायेगा। दिव्यांगजनों का परीक्षण उपरांत उन्हें क्योर इंटरनेशनल इंडिया ट्रस्ट के माध्यम से आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। उक्त दिव्यांगजनों के चिन्हांकन एवं चिकित्सा परीक्षण शिविरों में सम्बन्धित क्षेत्र के 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों सहित अन्य दिव्यांगजनों को लाभान्वित किये जाने के निर्देश महिला एवं बाल विकास, आदिवासी विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों सहित सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए गए हैं।

आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

नगरी/नवप्रदेश। आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में ब्रह्माकुमारीज नगरी के तत्वधान में गांधी उद्यान नगरी में योग दिवस का कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य रूप से राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी माधुरी बहन, १अध्यक्ष जनपद पंचायत नगरी आराधना शुक्ला अध्यक्ष नगर पंचायत नगरी नंद यादव पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत नगरी एवं अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग) डॉ. कुलदीप साहू (दंत चिकित्सक) मुकेश सोन बी. यदु (योग ट्रेनर) शशि बंसौर (योग ट्रेनर) आभा श्रीवास्तव व ब्रह्माकुमारी केसर बहन व बड़ी संख्या में संस्था के भाई बहनों व बच्चे उपस्थित थे। बी. यदु व शशि बंसौर (योग शिक्षिका) ने व्यायाम योगिक, जोगिंग व योगासन के लाभ बताते हुए अभ्यास कराया। ब्रह्माकुमारी माधुरी दीदी ने कहा कि हम शरीर को स्वस्थ रखने के लिए वॉकिंग जिम व्यायाम योग आसन आदि करते हैं उसी प्रकार मन को स्वस्थ व शांत, एकाग्र, प्रसन्न व शक्तिशाली बनाने के लिए योग जरूरी है योग का अर्थ है जोड़ व संबंध मन की तार ईश्वर से जोड़ना और उन्हें याद करना ही राजयोग है। हमें केवल एक ही दिन योग नहीं करना है बल्कि तन-मन स्वस्थ रखने के लिए रोज राज योग व योगाभ्यास करना चाहिए।

10 लीटर महुआ एवं 70 किलो महुआ लाहन जब्त

कांकेर/नवप्रदेश। आबकारी विभाग ने अवैध शराब विक्रेताओं एवं निर्माताओं के विरूद्व अभियान चलाते हुए आबकारी वृत्त चारामा के आबकारी अमले द्वारा दस लीटर हाथ भट्टी शराब एवं 70 किलो महुआ लाहन जब्त किया गया है। चारामा थाना अन्तर्गत बांधपारा डोकला निवासी अनिल कुमार पिता चन्द्रशेर सिन्हा के मकान से कार्यवाही करते हुए छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 के तहत अजमानतीय प्रकरण कायम करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल दाखिल किया गया है।

कमरौद में यात्री प्रतिक्षालय का हुआ भूमिपूजन

नगरी/नवप्रदेश। सिहावा विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव के जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने मांग किया था कि हमारे गांव में यात्री प्रतिक्षालय की आवश्यकता है। बस के इंतजार में हमें खुले मैदान या झाड़ के नीचे बैठकर बस का इंतजार करना पड़ रहा है आपके द्वारा हमें एक यात्री प्रतीक्षालय ग्रामवासियों को दिया जाता है तो हम एक सुरक्षित स्थान पर बैठकर बस गाड़ी का इंतजार कर सकते हैं उक्त मांग को विधायक ने संज्ञान में लेते हुए यात्री प्रतिक्षालय बनाने की घोषणा की जिसका आज भूमिपूजन विधायक के हाथों किया गया। इस अवसर पर पीसीसी सदस्य लखनलाल ध्रुव, बिशहत साहू, दानी पाल गांव के सरपंच नेहरू राम साहू, प्रेम शंकर साहू, गोपी वर्मा, पुनाराम राम साहू, बृज लाल साहू, श्यामा माई, मंगला बाई एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।

योग दिवस पर योगा के साथ किसानों को पौधा वितरण

नगरी/नवप्रदेश। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पर ग्राम पंचायत रतावा मे माध्यमिक शाला व प्राथमिक शाला में योगा अभ्यास किया गया। साथ ही कृषकों को सुराजी ग्राम योजना के तहत उद्यानिकी विभाग द्वारा सब्जी बीज, थरहा एवं फलदार पौधों का वितरण किया। जिसमें मुख्य रूप से उमेश देव जनपद सदस्य नगरी, उद्यानिकी विभाग चन्द्र कुमार साहू, शाला शिक्षक सीपी कश्यप, प्राथमिक शाला मरकाम, मुकेश संकुल समन्वयक, सोनवानी, स्वस्थ्य विभाग से साहू एवं ग्रामीण किसान उपस्थित रहे।

अनदेखी! गोदामों में डंप एक्सपायारी पर कब होगी कार्रवाई

■ **लाखों का पान मसाला गुटखा, बिल मात्र दस बोरी का**

कांकेर/नवप्रदेश। कलेक्टर चंदन कुमार के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी विमल कुमार सिंह व नाप तौल निरीक्षक नमूना सहायक नंद किशोर हिरवानी के पर्यवेक्षण में जिले के अलग अलग ग्रामीण क्षेत्रों में मासूम बच्चों के खाने पीने के सामानों को किस तरह गुणवताहीन बेचा जा रहा है। गुणवताहीन सामानों को बिक्री को रोकने प्रशासनिक स्तर पर कार्यवाही हो रही है, लेकिन जिले के रसूखदार एजेंसी संचालक इस प्रकार बच्चो के खाने पीने परचून जैसे एक्सापायारी जहर को गांव से लेकर शहरीय इलाकों में बेचकर नन्हे मुन्ने बच्चो के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। इससे साफजाहिर होता है की बस्तर का प्रवेश द्वार कहलाने वाला कांकेर आदिवासी अंचल कहलाता है। इस प्रकार गुणवताहिन एक्सपायरी सामान को खपाकर हमारी आने वाली पीढ़ी को जहर खिलाकर कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। बता दें कि कांकेर मुख्यालय में

क्या कहते हैं एसडीएम

इस संबंध में जब एसडीएम धनंजय नेताम से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि एक्सपायारी समान बेचना ही कानूनन जुर्म है। हम लगातार कार्यवाही कर रहे है। इस प्रकार गोदामों में एक्सपायरी डेट का समान रखने की शिकायत पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। वहीं जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी विमल सिंह ने कहा कि एजेंसी संचालकों को कड़ी हिदायत दी गई है गोदामों की जांच कर एक्सपायरी सामान रखे पाए जाते पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ई वे बिल लेकर ट्रकों से खपा रहे माल

मुख्यालय में पान मसाला गुटखा की दर्जन भर एजेंसी है। उनमें मनीष एजेंसी राजश्री पान मसाला गुटखा पाउच का एजेंसी का संचालन करते है । इनकी एंजेसी में सप्ताह भर में ट्रको से माल आता है।और पान मसाला गुटखा पाउच को रखने अलग अलग जगह पर गोदाम लिया गया है। सूत्रों के अनुसार पान मसाला गुटखा की गाड़ियों मात्र दस बोरी पान मसाला का ई वे बिल लेकर बिना बिल के लाखो रुपए का पान मसाला गुटखा सप्पप्लाई कर दिया जाता है।जिससे सरकार को जीएसटी बिल ना देकर लाखो रुपए का झोलझाल किया जाता है। जिसके चलते सरकार को जीएसटी बिल में भारी नुक्सान होता दिख रहा है। समय रहते एजेंसी की जांच होती है तो चौकाने वाले तथ्य सामने आएंगे।

अब भी गोदामों में भरा पड़ा है एक्सपायारी माल

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार मंगलवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी की कार्यवाही के दौरान मनीष एजेंसी में बड़े पैमाने पर एक्सपायरी डेट का सामान जब्त किया गया है। बताया जा रहा हैं की मनीष एजेंसी की शहर और शहर के आसपास करीब चार गोदाम मौजूद हैं। भंडारी पारा के गोदाम में बिस्किट नमकीन परचून से भरा पड़ा है। जिसे नष्ट करने की बजाय गोदाम में सुरक्षित रखना सवालिया निशान लगा रहा है। इसके अलावा शहर के रिहायशी इलाका आदर्श नगर सोसाइटी की दो दुकानों में भी माल डंप किया गया है।अब सवाल यह उठता है कि प्रशासन की ताबड़ तोड़ कार्यवाही के बावजूद गोदामो में बड़े पैमाने पर एक्सपायरी सामान रखना सवालिया निशान लगा रहा है?

बड़ी बड़ी कंपनी की एजेंसी लेकर ट्रको से माल मगाया जाता है। इस दौरान माल की सही समाय पर स्थानीय दुकानों में डीलवरी की आपूर्ति नही होने के बाद माल का स्टॉक को गोदाम में डंप कर दिया जाता है। जिससे गोदाम में पड़ा माल खराब हो जाता है जिसे बाद में गांव से लेकर शहर तक खपाकर मासूमो तक पहुंचाया जाता है।

डायरिया नियंत्रण प्रचार-प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर कलेक्टर ने किया रवाना

कांकेर/नवप्रदेश। डायरिया नियंत्रण के लिए जन जागरूकता हेतु प्रचार-प्रसार रथ को कलेक्टर चन्दन कुमार ने आज हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एल. उईके भी मौजूद थे। जिले में गहन डायरिया नियंत्रण पखवाड़ा का आयोजन 21 जून से 05 जुलाई तक किया जा रहा है। पखवाड़े के दौरान मितानीन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ए.एन.एम. के द्वारा घर-घर जाकर 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को घरों में ओ.आर.एस पैकेट का वितरण किया जायेगा तथा इसके उपयोग के संबंध में सलाह दी जायेगी। डायरिया से प्रभावित बच्चों का चिन्हांकन

कर उन्हें जिंक टेबलेट एवं ओ.आर.एस का पैकेट दिया जायेगा तथा ओर.आर.एस. घोल बनाने एवं पीने की विधि बतायी जायेगी। जिंक गोली के सेवन की विधि ए.एन.एम. के द्वारा बताई जायेगी, 02 माह से 06 माह तक के बच्चों को आधी गोली व 06 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को पूरी गोली की खुराक 14 दिनों तक देने की सलाह दी जायेग। माता पिता अथवा पालक को निर्जलीकरण के लक्षणों की जानकारी दिया जायेगा। स्कूलों में शिक्षकों के द्वारा छात्रों को हाथ धोने की विधि बताई जायेगी। गर्भवती माताओं को जचकी के 01 घंटे के अंदर स्तनपान कराने की सलाह देंगे। दस्त से गंभीर बच्चों को 102 एवं 108 नंबर डॉयल कर निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा का उपयोग कर निकट के अस्पताल में उपचार के लिए ले जाने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

बस चालक पर लगा 2 हजार का जुर्माना

नगरी/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर के द्वारा सड़क दुघर्टना में कमी लाने के लिए उप पुलिस अधीक्षक यातायात को निर्देश दिया गया है। जिस पर कल शाम को उप पुलिस अधीक्षक यातायात मणीशंकर चंद्रा के नेतृत्व में यातायात प्रभारी के देव राजू द्वारा आज सेहराडबरी के पास मनीष बस ट्रेवल्स के चालक ने एक्सयूवी कार को कट मारकर तेजी से आगे बढ़ते हुए दुर्घटना घटित होते होते बचा। जिसकी शिकायत एक्सयूवी कार चालक के द्वारा यातायात प्रभारी सेयं किया गया जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मनीष बस के चालक पर कार्यवाही किया गया।

2000/-रूपये का संमंस शुल्क वसुल किया गया एवं ड्राइवर को लापरवाही पूर्वक तेज गति बस चालन ना करने कि समझाइश दिया गया।

खुले हुए बोरवेल्स की सूचना देने के लिए फोन नंबर जारी

■ **6265881469 पर फोन करके या मैसेज के माध्यम से दे सकते है सूचना**

कोरबा/नवप्रदेश। कलेक्टर रानू साहू ने शहरी और ग्रामीण इलाकों में खुले हुए तथा अनुपयोगी बोरवेल्स को तत्काल बंद करने के निर्देश दिये थे। आयोजित बैठक में खुले हुए बोरवेल्स की सूचना देने के लिए फोन नम्बर भी जारी करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। कलेक्टर के निर्देश पश्चात खुले हुए बोरवेल्स की सूचना देने के लिए फ ोन नम्बर जारी कर दिये गये है। नागरिकगण दुर्घटना संभावित खुले हुए तथा अनुपयोगी बोरवेल्स की सूचना फोन नम्बर 6265881469 पर फोन करके या मैसेज के माध्यम से दे सकते है। कलेक्टर साहू ने खुले हुए बोरवेल्स को तत्काल बंद करने तथा ऐसे बोर की जानकारी देने के लिए जारी फोन नम्बर की मुनादी गांवों में करवाने के निर्देश सप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी एसडीएम और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिये। आज आयोजित समय-सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर साहू ने बारिश के मौसम में लोगो को सर्पदंश और जमीन में रेंगने वाले जहरीले जीवो से बचाने के लिए आवश्यक उपाय के प्रति जागरूकता लाने के निर्देश दिये है। उन्होंने सांप, बिच्छु आदि जहरीले जीवो से होने वाले जनहानि को रोकने के लिए लोगो को जमीन मे नही सोने और मच्छरदानी आदि का उपयोग करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये है।

सौंपे गये कार्यों को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें : मंडावी

■ **महिला स्व-सहायता समूहों को लाभान्वित कराने सहयोग की अपील**

कांकेर/नवप्रदेश। सांसद मोहन मण्डावी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। जिसमें लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के कार्य, महिला एवं बाल विकास अंतर्गत पूरक पोषण आहार एवं मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, मनरेगा के कार्य, प्रधानमंत्री आवास निर्माण, स्व-सहायता समूह को अनुदान, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, समाज कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक सहायता कार्यक्रम, विद्युत एवं सिंचाई विभाग में संचालित कार्यों एवं योजनाओं में प्रगति की विस्तृत समीक्षा किया गया।

अधिकारियों को निर्देशित करते हुए सांसद मण्डावी ने कहा कि कांकेर जिले में जिला प्रशासन द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है, जो भी कार्य सौंपे गये हैं, उन्हें समय पर और गुणवत्तायुक्त पूर्ण किया जावे, गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न करें।जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में उद्योग विभाग में संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत जिले के लक्ष्य को बढ़ाने का प्रयास किया जाये तथा लक्ष्य से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया जावे।

कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील

कलेक्टर चन्दन कुमार ने इस योजना से अधिक से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों को लाभान्वित कराने सहयोग का जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया। प्रधानमंत्री आवास निर्माण की समीक्षा के दौरान पूर्व में स्वीकृत अपूर्ण भवनों को पहले पूर्ण कराने के बाद नया आवास स्वीकृत करने के लिए कहा गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 54 लाख 632 हितग्राहियों को सामाजिक सहायता कार्यक्रम से लाभान्वित किया जा रहा है। जल जीवन मिशन अंतर्गत पाईप लाईन बिछाने के लिए खोदे गये गड्ढे को भरने तथा स्वीकृत कार्यां के प्रशासकीय स्वीकृति की छायाप्रति ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया।

स्कूल जाने योग्य सभी बच्चों को स्कूलों में दिलायें दाखिला : कलेक्टर

कांकेर/नवप्रदेश। कलेक्टर चन्दन कुमार ने स्कूल जाने योग्य सभी बच्चों को स्कूलों में दाखिला दिलाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा शाला त्यागी न रहे, 06 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके आंगनबाड़ी के बच्चों को भी स्कूलों में दाखिला दिलाना सुनिश्चित करने के लिए महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। छात्र-छात्राओं में पाठ्य पुस्तक का वितरण सुनिश्चित करने तथा छात्रावास-आश्रम भवनों की मरम्मत करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये गये। वनाधिकार पट्टाधारी किसानों के भूमि का समतलीकरण मनरेगा अंतर्गत कराने के लिए कहा गया। गौठानों को ग्रामीण औद्योगिक पार्क के रूप में विकसित कर वहां विभिन्न गतिविधियों का संचालन करने तथा सभी गौठान में प्रतिमाह कम से कम 30 क्विंटल गोबर खरीदी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। गौठानों में वर्मी टांका बनाने के लिए प्रस्ताव भेजने सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया गया। आवर्ती चराई गौठानों में भी गोबर की खरीदी सुनिश्चित करने के निर्देश वन विभाग के अधिकारियों को दिये गये।

राष्ट्रीय म्युथाई प्रतियोगिता में पदक प्राप्त खिलाड़ियों का भाजपा नगर मंडल द्वारा किया गया स्वागत

■ **राष्ट्रीय स्पर्धा में 26 राज्यों के 950 खिलाड़ियों ने लिया भाग, बस्तर के 4 खिलाड़ियों ने जीता स्वर्ण पदक**

जगदलपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता के नेतृत्व में राष्ट्रीय म्यूथाई चैंपियनशिप देवास मध्यप्रदेश में खेल कर जगदलपुर पहुंचे बस्तर के समस्त खिलाड़ियों को माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया । एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की गई। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ से मान्यता प्राप्त संस्था ढ्ढस्नरू की भारत मे मान्यता प्राप्त संस्था यूनाइटेड म्यूथाई एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के तत्वावधान में स्पोर्ट्स म्यूथाई एसोसिएशन मध्यप्रदेश द्वारा सीनियर, जूनियर, सब जूनियर (बालक/बालिका) वर्ग की राष्ट्रीय म्यूथाई चैंपियनशिप एवं प्रो नाईट फाइट का आयोजन श्रीमन्त तुकोजी रॉव पवार इंडोर स्टेडियम देवास (म प्र) में संप्पन हुआ।

प्रारूप- क

राज्य शासन के विभाग/ उपक्रम/ संस्था लो.नि. वि. संभाग मुंगेली के योजना नवलपुर हडगांव से पीपरखुंटी तक मार्ग निर्माण योजना में प्रभावित ग्राम नवलपुर प.ह.नं. 50 रा.नि.मं. कोतरी तहसील लालपुर जिला-मुंगेली (छ.ग.) के भूमि की आवश्यकता होने से राज्य शासन उपक्रम/संस्था निम्नलिखित कृषक की निजी भूमि आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति 2016 के तहत क्रय करना चाहता है -

ग्राम- नवलपुर प.ह.नं. 50 कृषक की सूची

क्र.	कास्तकार का नाम पिता/पति का सकूनत	खसरा नं	अर्जित रकबा		
			एकड़	हेक्टे.	वर्गमी.
1	2	3	4	5	6
1	सुनील कुमार, अनिल कुमार आ. शत्रुहन, अमरिकाबाई पति शत्रुहन सा. देह	321/4 में से	0.38	0.154	1540
	योग	01	**0.38**	**0.154**	**1540**

अतः उपरोक्त भू-स्वामियों की निजी भूमि को शासन द्वारा क्रय किए जाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को उपर वर्णित भूमियों के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो वे 15 दिवस के अंदर दिनांक 05/07/2022 तक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लोरमी के न्यायालय में अपनी आपत्ति लिखित रूप में स्वयं प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

जी-92308/2

(मेनका प्रधान)
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
एवं भू-अर्जन अधिकारी
लोरमी जिला-मुंगेली (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार कांकेर, जिला-उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./ बी-121/सन 20
साकिन भंडारीपारा प.ह.नं. नजूल

उद्घोषणा

एतद् द्वारा आम जनता सूचित किया जाता है कि आवेदिका बिसमिल्लाह खान पति स्व. रंगबाज खान जाति मुसलमान निवासी ग्राम भंडारीपारा कांकेर तहसील कांकेर जिला उ.ब. कांकेर के द्वारा उनके पति स्व. रंगबाज खान पिता शाहबाज खान का मृत्यु दिनांक 11.05.2005 पंजीयन कराने बाबत शपथ पत्र जच्चा-बच्चा, स्कूल प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत के अनुलब्धता के साथ आवेदक पति बिसमिल्लाह खान आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जो कि इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो विधिवत अपना दावा अथवा आक्षेप मेरे समक्ष दिनांक 26/6/2022 को स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आक्षेप पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/6/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मोहर साथ जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
कांकेर, जिला उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार कांकेर, जिला-उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./ बी-121/सन 20
साकिन भंडारीपारा प.ह.नं.

उद्घोषणा

एतद् द्वारा आम जनता सूचित किया जाता है कि आवेदिका सईदा खान पति स्व. रहमान खान जाति मुसलमान निवासी ग्राम भंडारीपारा कांकेर तहसील कांकेर जिला उ.ब. कांकेर के द्वारा उनके पति स्व. रहमान खान पिता स्व. रंगबाज खान का मृत्यु दिनांक 04.07.2004 पंजीयन कराने बाबत शपथ पत्र जच्चा-बच्चा, स्कूल प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत के अनुलब्धता के साथ आवेदक सईदा खान आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जो कि इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो विधिवत अपना दावा अथवा आक्षेप मेरे समक्ष दिनांक 26/6/2022 को स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आक्षेप पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/6/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मोहर साथ जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
कांकेर, जिला उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पंचायत चंदखुरी, जिला- रायपुर (छ.ग.)

E-mail- cmochandkhuri@gmail.com

क्रमांक /499/न.पं./लो.नि.वि./2022-23 चंदखुरी, दिनांक 21.06.2022

-:: मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-

नगर पंचायत चंदखुरी द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से PWD SOR (भवन-1.1.2015/विद्युत- 1.06.2020) कम/ अधिक प्रतिशत दर पर निविदा प्रपत्र ''अ'' में पंजीकृत डाक (त्रि-लिफाफा पद्धति) से मैन्युअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 13.07.2022 समय 3.00 बजे
निविदा प्रपत्र प्रदाय की अंतिम तिथि - 15.07.2022 समय 5.30 बजे
निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय - 21.07.2022 समय 4.00 बजे
निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि एवं समय - 21.07.2022 समय 5.00 बजे

क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि	रिमार्क
01	02	03	04	05
01	वार्ड क्र. 06, 08 व 09 में फार्म रोड से दानी साहू के घर तक फुटपाथ निर्माण कार्य।	12.37	9000/	
02	वार्ड क्र. 08 पुराना कांजी हाऊस के पास शेड निर्माण।	7.50	6000/	
03	वार्ड क्र. 14 में नवीन कार्यालय भवन के पास पार्किंग शेड निर्माण।	10.00	7500/	
04	वार्ड क्र. 02 में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण।	11.29	8500/	
05	वार्ड क्र. 01 में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण।	11.29	8500/	
06	वार्ड क्र. 11 में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण।	11.29	8500/	
07	वार्ड क्र. 11 में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण।	11.29	8500/	
08	वार्ड क्र. 12 में सामुदायिक भवन के पास शेड निर्माण कार्य।	15.00	11500/	
09	नगर के विभिन्न चौक चौराहे पर प्रकाश व्यवस्था हेतु हाईमास्ट पाले सहित एल.ई.डी. लाईट स्थापन कार्य 04 स्थानों पर	19.52	15000/	

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी निविदा दिनांक से कार्यालयीन अवधि में देखी व प्राप्त की जा सकेगी, साथ ही यह कि मैनुअल निविदा की विस्तृत जानकारी कार्यालय न.पं. सूचना पटल एवं विभाग की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in पर भी उपलब्ध है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत चंदखुरी
जिला- रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) जिला बलरामपुर-रामानुजगंज मुख्यालय बलरामपुर (छ.ग.)

फोन नंबर 07831-273780 ई-मेल : acbalrampur@gmail.com

:: ई-निविदा आमंत्रण सूचना ::

क्रमांक/ 137/निर्माण/आ.वि./2022 बलरामपुर, दिनांक 20/06/2022

छ.ग. के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्य के लिए कार्यालय कलेक्टर, आदिवासी विकास बलरामपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज में नीचे दर्शाए गए विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत ''सी'' श्रेणी एवं इससे ऊपर श्रेणी के ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा भवन दर अनुसूची जो दिनांक 01.01.2015 एवं विद्युतीकरण दर अनुसूची जो दिनांक 01.06.2022 से प्रभावशील है। एस.ओ.आर. पद्धति के तहत ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की राशि (लाखों में)
1	102651 (प्रथम आमंत्रण)	प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास बलरामपुर का भवन निर्माण कार्य।	145.34

निविदा की सामान्य शर्तें एवं अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट से अथवा ई प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ में देखी जा सकती है।

1. निविदा प्रपत्र आनलाईन बीड सम्मिट करने की अंतिम तिथि 11.07.2022
2. निविदा रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट से चालान की प्रति एवं अन्य दस्तावेज जमा करने की तिथि - 13.07.2022
3. निविदा खोलने की तिथि :- 15.07.2022
4. निविदा की अमानत राशि :- 1,09.000-00
5. निविदा प्रपत्र का मूल्य :- 3000 रु.
6. कार्य करने की अवधि (वर्षाकाल सहित)- 18 माह

जी-92297/5

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

न्यूज गैलरी

छग में अब तक 75.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 75.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज 22 जून तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिलें में सर्वाधिक 159.3 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 30.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। एक जून से अब तक सरगुजा में 32.8 मिमी, सूरजपुर में 47.0 मिमी, जशपुर में 40.1 मिमी, कोरिया में 57.मिमी, रायपुर में 50.3 मिमी, बलौदाबाजार में 93.2 मिमी, गरियाबंद में 79.7 मिमी, महासमुंद में 63.0 मिमी, धमतरी में 61.0 मिमी, बिलासपुर में 92.3 मिमी, मुंगेली में 129.8 मिमी, रायगढ़ में 71.7 मिमी, जांजगीर-चांपा में 140.2 मिमी, कोरबा में 86.3 मिमी, दुर्ग में 67.6 मिमी, कबीरधाम में 85.7 मिमी, राजनांदगांव में 81.4 मिमी, बालोद में 133.1 मिमी, बेमेतरा में 81.7 मिमी, बस्तर में 48.2 मिमी, कोण्डागांव में 42.8 मिमी, कांकेर में 54.7 मिमी, नारायणपुर में 41.9 मिमी, दंतेवाड़ा में 77.1 मिमी, सुकमा में 74.3 मिमी और बीजापुर में 75.7 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

तालाब में तैरती मिली युवक की लाश

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर से लगे धुसरा गांव में एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। गांव के तालाब में तैरते हुए मिली है युवक की लाश। मुजगहन थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से निकाला बाहर निकाला गया। युवक की पहचान नहीं हो पायी हैं। पुलिस मामले में कुछ भी कहने से बच रही है। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पीएम रिपोर्ट आने पर स्पष्ट हो पाएगा।

खेल प्रशिक्षकों के लिए 13 तक आवेदन

रायपुर/नवप्रदेश। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा विभिन्न खेलों के लिए संविदा आधार पर प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए पात्र अभ्यर्थी 13 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी ही इस पद के लिए पात्र होंगे। प्रशिक्षक पद के लिए एथलेटिक, फुटबाल सहित 11 खेलों के कुल 23 पदों के लिए आवेदन मंगाए गए हैं। कुल 23 पदों में आर्चरी के 6, एथलेटिक के 3, फुटबॉल, बैडमिंटन, हॉकी, कबड्डी व स्वीमिंग के लिए 2-2 पद और बास्केटबॉल, व्हॉलीबॉल, जूडो एवं वेटलिफ्टिंग के लिए 1-1 पद शामिल हैं। अभ्यर्थी संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग रायपुर की वेबसाइट पर जाकर पूरी जानकारी प्राप्त करने के साथ ही इसे डाउनलोड कर सकते हैं। इसके आलावा संचालनालय के नोटिस बोर्ड पर भी यह जानकारी चस्पा की गई है। आवेदन 13 जुलाई शाम 5 बजे तक संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग रायपुर में स्वीकार किए जाएंगे।

सामाजिक संगठनों ने मिलकर दिव्यांग मीनाक्षी की कराई शादी

रायपुर/नवप्रदेश। दिव्यांग बिटियां मीनाक्षी कि शादी 21

जून योगा दिवस के अवसर पर मूकबधिर युवक लकी श्रीवास्तव दुर्ग के साथ गायत्री मंदिर समता कालोनी में संपन्न हुई। यह विवाह कई विशेषताएं लिया हुआ था। शादी मे जयमाला वीरभद्रासन योगमुद्रा में संपन्न हुई। इस विवाह में सहभागीता के लिए प्रस्ताव रखा गया। रायपुर के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर एक मंच पर साथ नजर आए, किसी से भोजन व्यवस्था सम्हाली, किसी ने स्वागत की जवाबदारी ली। सामान्य तौर पर माता पिता जो बच्ची को देना चाहते हैं, उससे कहीं ज्यादा सामान सभी ने मिलकर दिया इस शादी में डिस्पोजल पूर्णतः प्रतिबंधित था, पर्यावरण का ध्यान रखा गया। बाल कल्याण परिषद कि सदस्य सुगंधा जैन जो कि इस शादी में शुभ सक्रिय थी उनके सुझाव पर विवाह कि रस्में वर-वधु को कोपलवाणी की संस्थापक पदमाशर्मा ने साइन लेंग्वेज में समझाई, इस तरह विवाह कि रस्मों में रौनक आ गई सौभग्यशाली है की इस विवाह में सक्षम संस्था छग. की ओर से बिटीया को आर्शीवाद स्वरूप कुछ भेंट करने का अवसर मिला। सक्षम से संगठन मंत्री रामलाल जी रजवाड़ें एवं प्रांत महिला प्रमुख इंदिरा जैन ने भी वर-वधु को शुभकामनाएं दी।

ग्राम सरगंवा और जगिया में लगा विद्युत ट्रांसफार्मर

मुख्यमंत्री ने शंकरगढ़ के चौपाल में की थी घोषणा

रायपुर/नवप्रदेश। बलरामपुर जिले के ग्राम सरगंवा एवं जगिमा के निवासियों को अब बिजली की आंख मिचौली से जूझना नही पड़ेगा, न ही इस क्षेत्र के गांव के बच्चों को पढ़ने के लिए बिजली की समस्या का सामना नही करना पड़ेगा, क्योकि अब ग्राम सरगंवा और जगिमा में विद्युत ट्रांसफ ार्मर की स्थापना कर दी गई है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान 4 मई को बलरामपुर जिले के ग्राम शंकरगढ़ में जन चौपाल लगाई थी, जहां उन्हें ग्रामवासियों ने बिजली की समस्या से उन्हें अवगत कराया था। मुख्यमंत्री ने चौपाल में ही पर ग्राम सरगंवा एवं जगिमा में बिजली की समस्या के निराकरण हेतु विद्युत ट्रांसफार्मर की स्थापना की घोषणा की थी। इसी घोषणा के परिपालन में उक्त गांवों में विद्युत ट्रांसफार्मर लगा दिया गया है। ग्रामवासियों की वर्षों पुरानी मांग को मिनटों में पूरा करने पर उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है।

नालों को रिचार्ज करने व कार्यों के संचालन के लिए 'नरवा मिशन' गठित

- नरवा मिशन विभिन्न विभागों द्वारा कराए जा रहे नरवा उपचार के कार्यों में करेगा समन्वय

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर प्रदेश में नरवा कार्यक्रम के सुचारू संचालन, अनुश्रवण एवं नरवा विकास के कार्यों को गति प्रदान करने तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा नरवा विकास के किए जा रहे कार्यों में समन्वय स्थापित करने के लिए वन एवं जलावायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू की अध्यक्षता में सात सदस्यीय 'नरवा मिशन' का गठन किया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव आर. प्रसन्ना, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी कैम्पा व्ही. श्रीनिवास राव, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (संयुक्त वन प्रबंधन) अरूण पाण्डेय, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार मिशन के आयुक्त मोहम्मद अब्दुल कैसर हक, नरवा-गरवा-घुरवा-बाड़ी एवं छत्तीसगढ़ गोधन न्याय योजना के नोडल अधिकारी डॉ. तंबोली अय्याज और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार मिशन के मुख्य अभियंता नारायण निमजे नरवा मिशन के सदस्य होंगे। गौरतलब है कि प्रदेश में 'नरवा कार्यक्रम' मुख्यतः पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है। 'नरवा कार्यक्रम' में छोटे-छोटे भूमिगत डाइक जैसे संरचनाओं की मदद से नालों को निरंतर बहने वाला सदानीरा नाला बनाते हुए नालों के जल द्वारा भूमिगत जल को रिचार्ज करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रदेश में बढ़ेगा सिंचित क्षेत्र

इस कार्यक्रम से छत्तीसगढ़ में सिंचित क्षेत्र बढ़ेगा और अधिकांश जगह कृषि के लिए जल उपलब्ध होगा। निस्तार के लिए भी पानी की कमी की समस्या काफी हद तक दूर हो सकेगी। साथ ही जैव विविधता (बायो डायवर्सिटी) का संवर्धन होगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा अपने विभागाध्यक्ष कार्यालय के माध्यम से संचालित 'नरवा कार्यक्रम' की अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मॉनिटरिंग-समीक्षा करेंगे तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से किए जा रहे नरवा विकास के कार्यों की समीक्षा एवं कार्यक्रम का क्रियान्वयन पूर्ववत प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख द्वारा ही किया जाएगा।

30 हजार नाले चयनित

नरवा विकास कार्यक्रम के तहत प्रदेश के लगभग 30 हजार नालों को रिचार्ज करने के लिए चयनित किया गया है। प्रथम चरण में 9541 नरवा के उपचार की स्वीकृति दी गई है। नालों का उपचार करने के लिए नरवा विकास कार्यक्रम के तहत नालों में वर्षा के जल को रोकने हेतु लूज बोल्डर चेक, चेकडेम, गली प्लग, कंटूर ट्रेंच, स्टाप डेम सहित अन्य संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। उपचारित नालों में अब गर्मी के दिनों में भी पानी रहता है। इससे निस्तार, पेयजल और सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता बढ़ी है और क्षेत्र में भू-जल स्तर में भी बढ़ोत्तरी हो रही है।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत 22.42 लाख लोगों को मिला इलाज

- स्लम बस्तियों के लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं दवाईयां
- मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से अब तक 31740 कैम्प आयोजित

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में निवासरत लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक मोबाइल मेडिकल टीम द्वारा 22 लाख 42 हजार 235 लोगों को निःशुल्क इलाज मुहैया कराया गया है। इसके तहत राज्य के 169 नगरीय निकायों की स्लम बस्तियों में अब तक मोबाइल मेडिकल यूनिट टीम द्वारा 31 हजार 740 कैम्प लगाकर लोगों की निःशुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी गई हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिव डहरिया ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि नगरीय क्षेत्रों की तंग बस्तियों के एवं अन्य जरूरत मंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवायें उपलब्ध करायें।

गौरतलब है कि राज्य के 14 नगर निगम क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रथम चरण की शुरूआत 01 नवम्बर 2020 को हुई थी। इसके तहत 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्लम बस्तियों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार एवं दवा वितरण की शुरूआत की गई थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा इस योजना से लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मिलने की सफलता को देखते हुए 31 मार्च 2022 को इसका विस्तार पूरे राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों में किया गया तथा 60 और नई मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई। इस योजना के तहत अब पूरे राज्य के नगरीय क्षेत्रों के स्लम बस्तियों में चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम, मेडिकल उपकरण एवं दवाओं से लैस 120 मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक 4 लाख 45 हजार 661 मरीजों को पैथालॉजी टेस्ट की सुविधा मुहैया कराने के साथ ही 18 लाख 38 हजार 804 से अधिक मरीजों को निःशुल्क दवाएं दी गई हैं। इस योजना के तहत लाभान्वित मरीजों में 2 लाख 34 हजार 553 श्रमिक हैं।

रेल्वे स्टेशन होगी अब प्लास्टिक मुक्त दोना पत्तल से परोसे जाएंगे खाना-नाश्ता

रायपुर/नवप्रदेश। देश को प्लास्टिक से मुक्ति करने की तैयारी शुरू हो चुकी है। अब दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशनों में भी यात्रियों को प्लास्टिक में चाय- नाश्ता या फिर भोजन नहीं परोसा जाएगा। इसके लिए रेलवे ने नया आदेश जारी किया है, जिसके तहत पैक खाना व नाश्ते के लिए स्टेशनों में दोना-पत्तल, कुल्हड़ और टेराकोटा के बर्तनों का उपयोग किया जाएगा। जल्द ही स्टेशनों में यह पहल शुरू होने जा रही है। बता दे, भारतीय रेलवे ने 400 स्टेशनों में पर्यावरण संरक्षण और पारंपरिक खानपान व शैली और स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए अनूठी पहल की है। इसके तहत बिलासपुर जोन ने ऐसे 25 स्टेशनों का चयन किया गया है, जिसमें रायपुर के छह और नागपुर के सात स्टेशन शामिल हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के साथ अन्य जोन को इसी तरह स्टेशनों को चिन्हित करने के लिए कहा गया है। ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों में आईआरसीटीसी खान से संबंधित सभी कार्य आईआरसीटीसी के जरिए होता है। रेलवे के आदेश के बाद अब प्लास्टिक के जगह ऐसे चीजों को उपयोग में लाया जाएगा, जिससे पर्यावरण दूषित ना हो। आईआरसीटीसी के अधिकारियों का कहना है, हम स्थानीय लोगों को पहले प्राथमिकता देंगे। छत्तीसगढ़ में माहुल पत्ते से दोना व पत्तल बनाया जाता है। इसका उपयोग भोजन और नाश्ता परोसने के लिए होता है। इसी तरह साउथ के होटलों में केले की पत्ती, बनारस में बरगद व कहटल के ताजा पत्ते से नाश्ता देने का चलन है। इन प्राकृतिक चीजों से न तो पर्यावरण को नुकसान है और न मवेशियों की जान को खतरा है। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होगा। साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। आइआरसीटीसी की ओर से पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने नई योजना बनाई गई है।

तुगलकी आदेश का कर्मचारी संघ ने किया विरोध, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

रायपुर/नवप्रदेश। छग तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने कृषि विभाग के उप संचालक कृषि रायपुर द्वारा रायपुर जिले के चारों विकासखंडों अभनपुर, धरसींवा, तिल्दा, आरंग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के अनावश्यक तुगलकी फरमान जारी कर नोटिस दिए जाने का विरोध किया है। छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के नेतृत्व में संघ का प्रतिनिधि मंडल कलेक्टर रायपुर सौरभ कुमार से मुलाक़ात कर ज्ञापन सौंपा। डीडीए रायपुर द्वारा वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट के मात्रा में कमी पर जिले में कार्यरत ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को गोधन न्याय योजना अंतर्गत कार्य में अनावश्यक रूप से तुगलकी फरमान जारी करते स्पष्टीकरण तथा वेतन कटौती का नोटिस दिया गया है जिसका संघ विरोध करता है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों से जुड़ी समस्याओं को लेकर जिसमें भीषण गर्मी के चलते लगभग छह आठ माह पूर्व निर्मित वर्मी कम्पोस्ट एवं सुपर कम्पोस्ट के सूखने से वजन में कमी होना स्वभाविक है उक्त परिस्थिति में जिले के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी दोषी नहीं है,जिसे जिला कलेक्टर को विस्तार पूर्वक वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया प्रकरण पर जिलाधीश ने प्रतिनिधि मंडल को आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। जिस पर संघ ने अनावश्यक आदेश के निरस्त करने एवं समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर आंदोलनात्मक कदम उठाने कि चेतावनी दी है। प्रतिनिधिमंडल में संघ के प्रांताध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी, डी एस एन राव, फारुक कादरी, मुक्तेश्वर देवांगन, तिलक यादव, पद्मेश शर्मा, देवेंद्र साहू, राजू दास, आकाश शर्मा, सुरेश साहू,गौरव दामले, राजकुमार कश्यप, हेमकांत चंद्रवंशी, प्रतिभा मिश्रा,मोनू बंजारे,सुनीता बघेल, सरिता पैकरा आदि शामिल रहे।

फुंडहर व्यापारी संघ के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

- चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने शपथ दिलाई

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष- राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि फुण्डहर के व्यापारियों ने मिलकर व्यापारिक हितों के उद्देश्य से फुण्डहर व्यापारी संघ की स्थापना कर छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की सदस्यता ग्रहण की। चेम्बर की सदस्यता ग्रहण करने के पश्चात् फुण्डहर व्यापारी संघ द्वारा मंगलवार 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें चेम्बर पदाधिकारियों के समक्ष फुण्डहर व्यापारी संघ के पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया। चेम्बर प्रदेश महामंत्री श्री अजय भसीन ने शपथ दिलाई।

चेम्बर प्रदेश महामंत्री ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है, व्यापारिक एकता से व्यापार में आने वाली किसी भी मुसीबतों का सामना आसानी से किया जा सकता है। फुण्डहर व्यापारी संघ के पदाधिकारीगण अपने सदस्यों के लिये व्यापारिक हित में कार्य करते हुए नई ऊंचाईयों को छुएगा। छत्तीसगढ़ चेम्बर व्यापारिक हितों के लिये सदैव तत्पर रहेगा।

चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष श्री राम मंधान ने कहा कि कोरोना काल के समय सभी व्यापारियों ने मिलकर एक दूसरे के सहयोग से कोरोना जैसी महामारी की विषम परिस्थितियों का सामना किया और व्यापार में सफ्लता पाई। श्री मंधान ने फुण्डहर व्यापारी संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को छत्तीसगढ़ प्रदेश में प्रस्तावित होलसेल कारिडोर के महत्व एवं लाभकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर फुण्डहर के व्यापारियों में हर्ष एवं उल्लास का माहौल था।

राजनांदगांव की दो बेटियां भारत की अंडर-16 बास्केटबॉल टीम में

- 24 से 30 जून तक जॉर्डन में आयोजित एशियन चैंपियनशिप में लेंगी हिस्सा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव की दो बेटियों को भारत की अंडर-16 बॉस्केटबॉल टीम में स्थान मिला है। भारतीय खेल प्राधिकरण के राजनांदगांव ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण ले रहीं प्रार्थना साल्वे और मोनी अडला जॉर्डन के अम्मान में आयोजित फीबा एशिया अंडर-16 बास्केटबॉल चैंपियनशिप में देश की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह चैंपियनशिप 24 जून से 30 जून तक आयोजित है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और खेल मंत्री उमेश पटेल ने भारतीय टीम में इन दोनों के चयन के लिए बधाई दी है। उन्होंने चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन के लिए दोनों को शुभकामनाएं भी दी हैं। डेल्ही पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव की इन दोनों छात्राओं का चयन इस साल जनवरी में इंदौर में हुई जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। इन दोनों खिलाड़ियों ने अम्मान में होने वाले एशियन चैंपियनशिप के लिए बेंगलुरू में आयोजित भारतीय टीम के कैंप में भी हिस्सा लिया है।

एनआईटी में इन्वेंशन टू इनोवेशन सत्र का किया गया आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में 21 जून 2022 को इन्वेंशन टू इनोवेशन सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का आयोजन एनआईटी रायपुर के इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल ने संस्थान की इनोवेशन काउंसिल, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के सहयोग से आयोजित किया। कोरोना महामारी के कारण सत्र का आयोजन हाइब्रिड मोड में यानि ऑनलाइन व ऑफ लाइन दोनों मोड में किया गया। सत्र का उद्देश्य छात्रों को इनोवेशन और उसके संभावित चरणों के प्रति प्रोत्साहित करना था।

सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. ऋषिकेश पांडे चीफ साइंटिस्ट, साइटोवेरिस एवं फैकल्टी, यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टिकट थे। सत्र के दौरान कैरियर डेवलपमेंट सेल एनआईटी रायपुर के प्रमुख डॉ. समीर बाजपेयी तथा इनोवेशन सेल के फैकल्टी इन्चार्ज डॉ. सौरभ गुप्ता भी उपस्थित थे। डॉ. ऋषिकेश पांडे ने ल्यूकेमिया के निदान और इसके निदान के दौरान आने वाली समस्याओं के बारे में एक परिचय दिया। साथ ही साथ उन्होंने बताया की कैसे इसके निदान के लिए आवश्यक समय में कटौती करने के लिए रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और क्वांटिटेटिव फेज इमेजिंग का उपयोग करके नियमित सेलुलर इमेजिंग तकनीक में सुधार किया जा सकता है । इस तकनीक के इस्तेमाल से डायग्नोसिस में लगने वाला समय 30 मिनट तक कम हो सकता है। अभिभाषण के दूसरे भाग में उन्होंने इनोवेशन पर बात की। उन्होंने बताया की इनोवेशन और इन्वेंशन समान नहीं हैं। इनोवेशन का तात्पर्य वैल्यूक्रिएशन से है जबकि इन्वेंशन का तात्पर्य एक विचार, पेटेंट या टेक्नोलॉजी है। वर्तमान परिदृश्य की आवश्यकता के अनुसार उपयोगी स्टार्टअप उपलब्ध ना हो पाना एक प्रमुख कारण है कि लगभग 42 प्रतिशत स्टार्टअप या आविष्कार सफल नहीं होते हैं या किसी भी मूल्य के नहीं होते हैं। अंतिम भाग में उन्होंने इनोवेशन के लिए डिज़ाइन थिंकिंग का मंत्र दिया। उन्होंने डिजाइन थिंकिंग के पांच चरणों का विस्तार से वर्णन किया जो एक सफल आविष्कार या स्टार्टअप के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम का समापन एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के साथ समाप्त हुआ जिसमे छात्रों को सीधा डॉ. ऋषिकेश पांडेय जी से प्रश्न पूछने का मौका मिला। जिसमे इनोवेशन और इन्वेंशन मैं कौन सी चीज पहले होनी चाहिए इत्यादि प्रश्नों का उन्होंने उत्तर दिया।

समोदा में ही होगा बिजली संबंधी समस्या का निराकरण

- लोगों को अब आरंग आने की जरूरत नहीं

रायपुर/नवप्रदेश। नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिव डहरिया प्रत्येक मंगलवार राजधानी रायपुर स्थित अपने शासकीय आवास पर लोगों से जनदर्शन कार्यक्रम में लोगों से भेंट मुलाकात करते है। लोग उन्हें अपनी विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु आवेदन देते है और समस्याओं के निराकरण का भरोसा दिलाते है। नगरीय प्रशासन मंत्री से भेंट मुलाकात जनदर्शन में समोदा भंडारपुरी व सकरी क्षेत्र के ग्रामीणों के द्वारा समोदा में वितरण केंद्र खोले जाने की मांग की गई थी। इसके अंतर्गत आरंग से सुदूर गांव डूमहा, भंडारपुरी, परसवानी, अमसेना, धौराभाठा, कोड़ापार, सकरी, कोरसी, पिरदा, चिखली, कुटेला, कुरूद, रसौटा सहित आस पास के ग्रामीणों को बिजली संबंधित कार्य के लिये बार बार आरंग आना पड़ता है जिसके कारण ग्रामीणों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों की समस्या सुनकर मंत्री डॉ. शिव डहरिया ने तत्काल संज्ञान में लेते हुवे उक्त समस्या के समाधान के लिये विद्युत विभाग को पत्र लिखकर समोदा में तत्काल वितरण केंद्र खोले जाने हेतु अनुशंसा किया तथा अधिकारियों को निर्देशित कर समोदा में विद्युत वितरण केंद्र की स्वीकृत करवाया। अब समोदा, भंडारपुरी, संकरी क्षेत्र के ग्रामीणों को विद्युत संबंधी कार्य के लिये आरंग आने की आवश्यकता नही पड़ेगी सभी कार्य समोदा मे ही किया जायेगा। समोदा में वितरण केंद्र की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के प्रति आभार भी व्यक्त किया है।

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर

द्वितीय निविदा- ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना (निर्माण प्रकोष्ठ) website- www.cgmsc.gov.in

Main portal-http://eproc.cgstate.gov.in क्र./2685/निर्माण/2022, दिनांक 22/06/2022

स.क्र.	नि.आ. सू.क्र.	कार्य का नाम	राशि (रु.लाख)
रायपुर			
1	6238	जिला महासमुंद के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बसना में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
2	6390	जिला धमतरी के जिला अस्पताल में ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य।	65.48
3	6391	जिला धमतरी के शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र अधारीनवागांव का निर्माण कार्य।	22.21
4	6392	जिला धमतरी के शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र जोधापुर का निर्माण कार्य।	22.21
5	6393	जिला धमतरी के शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र सुभाषनगर का निर्माण कार्य।	22.21
6	6394	जिला धमतरी के शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र गोकुलपुर का निर्माण कार्य।	22.21
7	6395	जिला धमतरी के शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र बांसपारा का निर्माण कार्य।	22.21
8	6396	जिला धमतरी के शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र श्रीराम कालोनी (कुम्हारपारा) का निर्माण कार्य।	22.21
9	6297	जिला रायपुर के शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, गोड़पारा का निर्माण कार्य।	22.21
दुर्ग			
1	6398	जिला कबीरधाम वि.खं. बोड़ला के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिल्फी में 01 नग 02 टी स्टाफ क्वार्टर का निर्माण कार्य।	28.33
2	6399	जिला दुर्ग के भिलाई शहर अंतर्गत फरिद नगर में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
3	6400	जिला दुर्ग के गुरूघासीदास में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
4	6401	जिला दुर्ग के चरौदा शहर अंतर्गत गनियारी में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
5	6402	जिला दुर्ग केसतनाम भवन कातुलबोड़ में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
6	6403	जिला दुर्ग के भिलाई शहर अंतर्गत वृंदा नगर में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
7	6404	जिला दुर्ग के भिलाई शहर अंतर्गत आजाद नगर में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
8	6405	जिला दुर्ग के भिलाई शहर अंतर्गत सतनाम मरोदा नया मार्केट में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
9	6406	जिला दुर्ग के भिलाई शहर अंतर्गत सुपेला बाजार में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
10	6407	जिला दुर्ग के भिलाई शहर अंतर्गत श्याम नगर में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
11	6408	जिला दुर्ग के भिलाई शहर अंतर्गत शिवाजी नगर में शहरी शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
12	6409	जिला दुर्ग के भिलाई शहर अंतर्गत हथखोज में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
13	6410	जिला दुर्ग के भिलाई शहर अंतर्गत टोमिन भारद्वार में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
14	6411	जिला दुर्ग के भिलाई शहर अंतर्गत सुपेला, चिंगरी पारा में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
15	6412	जिला राजनांदगांव के शहरी स्वास्थ्य केन्द्र सिंगदई में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
16	6413	जिला राजनांदगांव के शहरी स्वास्थ्य केन्द्र रेवाडीह में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
बस्तर			
1	6414	जिला बस्तर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बकावंड में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
2	6415	जिला बस्तर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बड़ेकिलेपाल में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
3	6416	जिला बस्तर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तोकापाल में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
4	6417	जिला बस्तर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दरभा में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
5	6418	जिला बस्तर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगालूर में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
6	6419	जिला बीजापुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नेलसनार में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
7	6420	जिला बीजापुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैरमगढ़ में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
8	6421	जिला बीजापुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भोपालपटनम में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
9	6422	जिला बीजापुर के जिला अस्पताल बीजापुर में 20 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	70.25
10	6423	जिला कांकेर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अंतागढ़ में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
11	6424	जिला कांकेर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भानुप्रतापरुर में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
12	6425	जिला कांकेर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुर्गकोंदल में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
13	6426	जिला कांकेर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चारामा में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
14	6427	जिला कांकेर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र धनेलीकन्हार में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
15	6428	जिला कांकेर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोइलीबेड़ा में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
16	6429	जिला कांकेर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरहरपुर में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
17	6430	जिला कांकेर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अमोड़ा में 10 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का निर्माण कार्य।	34.64
18	6431	जिला बस्तर के वि.खं. दरभा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दरभा में 20 बिस्तरीय, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ईजड़ेपाल में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र पखनार में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र बड़े कदमा में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र नगानार में 06 बिस्तरीय एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र तोयनार में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	76.18
19	6432	जिला बस्तर के वि.खं. ओरछा में उप स्वास्थ्य केन्द्र बड़ेकिलेपाल में 20 बिस्तरीय, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कापानार में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र बड़ेकाकलूर में 06 बिस्तरीय एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र सदरा बोड़ेनार में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	57.90
20	6433	जिला जिला नारायणपुर के वि.खं. ओरछा के उप स्वास्थ्य केन्द्र गारपा में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र जटलूर में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र कुआं में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र मसपुर में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र नेलनार में 06 बिस्तरीय एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र पांगुड़ में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	54.84
21	6434	जिला बस्तर के वि.खं. लोहाण्डीगुड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अंजार में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र बड़े बोडली में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र ककनार में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र चंदेला में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र कोठियागुड़ा में 06 बिस्तरीय एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र मारीकोडेर में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	54.84
22	6435	जिला बस्तर के वि.खं. बकावंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बकावंड में 20 बिस्तरीय, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जायबल में 06 बिस्तरीय एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मालगांव में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	48.76
23	6436	जिला बस्तर के वि.खं. बकावंड के उप स्वास्थ्य केन्द्र बकावंड में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र पाहुरबेल में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र मोंगरापाल में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र मोहलाई में 06 बिस्तरीय एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र बड़े उमरगांव में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	45.70
24	6437	जिला बस्तर के वि.खं. के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोलचूर में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र अड़ावल में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र मुण्डागांव में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र अम्बाबेल में 06 बिस्तरीय एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र चेराकुर में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	45.70
25	6438	जिला बस्तर के वि.खं. जगदलपुर में उप स्वास्थ्य केन्द्र डोंगम में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र असना में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र धनियालूर में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र तिरिया में 06 बिस्तरीय एव वि.खं. नानगुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुम्हारवांड में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	45.70
26	6439	जिला बस्तर के वि.खं. तोकापाल के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिंघनपुर में 06 बिस्तरीय उप स्वास्थ्य केन्द्र बड़ेमोरतपाल में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र बड़े भेजरीपदर में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र तेलीमारेंगा में 06 बिस्तरीय एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र करंजी में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	45.70
27	6440	जिला बस्तर के वि.खं. लोहाण्डीगुड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोहाण्डीगुड़ा में 20 बिस्तरीय एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बिन्ता में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	39.62
28	6441	जिला सुकमा के वि.खं. कोन्टा के उप स्वास्थ्य केन्द्र कन्हाईगुड़ा में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र नेगाराम में 06 बिस्तरीय एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र मिनपा में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	27.42
29	6442	जिला दंतेवाड़ा के वि.खं. कुआकोण्डा के उप स्वास्थ्य केन्द्र बूरगम में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर कैम्प में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	18.28
30	6443	जिला कोण्डागांव के वि.खं. केशकाल में उप स्वास्थ्य केन्द्र करारमेटा में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र तोसकापाल में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	18.28

क्रमशः

कलेक्टर ने ली बैठक : किसानों को बीज-खाद सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सीएम की घोषणाओं का क्रियान्वयन प्राथमिकता के साथ करने का फरमान

बीजापुर/नवप्रदेश। सीएम भूपेश बघेल की घोषणाओं के क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करें। वहीं मुख्यमंत्री के प्रवास के दौरान प्राप्त आवेदन पत्रों का निराकरण को प्राथमिकता के साथ किया जाये। जिले में खरीफ सीजन के लिए किसानों को बीज-खाद की सुलभता सहित फसल ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाये। इस दिशा में किसानों की मांग के अनुरूप बीज एवं खाद उपलब्ध कराया जाये और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से फसल ऋण सुलभ कराया जाये। उक्त निर्देश कलेक्टर ने कलेक्टोरेट में आयोजित समय-सीमा की बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं के क्रियान्वयन की दिशा में जिला स्तर के कार्यों को त्वरित सुनिश्चित किया जाये। वहीं राज्य स्तर से क्रियान्वयन होने वाले कार्यों का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जाये। उन्होंने इस हेतु त्वरित प्रक्रिया पूर्ण करने कहा। कलेक्टर कटारा ने जिले में धान के बदले अन्य फसल तहत के उच्चहन भूमि टिकरा एवं मरहान में दलहन-तिलहन सहित कोदो-कुटकी एवं रागी की पैदावार लेने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने पर बल देते हुए कहा कि ऐसे किसानों का चयन कर उन्हें बीज एवं आदान सामग्री सुलभ कराया जाये। इसके साथ ही फसल ऋण एवं कृषि परामर्श दी जाये। उन्होंने मत्स्यपालन सहित कुक्कुटपालन, सूकरपालन, बकरीपालन, साग-सब्जी उत्पादन के लिए किसानों एवं ग्रामीणों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

वृक्षारोपण के लिए अभियान चलाने के निर्देश :

वृक्षारोपण महाभियान के तहत सड़क किनारे वृक्षारोपण सहित स्कूल, आश्रम-छात्रावास परिसर, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र परिसर और शासकीय कार्यालयों के परिसर में पौधरोपण हेतु तैयारी करने कहा। इसके साथ ही खाली पड़े शासकीय भूमि में वृक्षारोपण के लिए प्रस्ताव तैयार किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने ऐसे बड़े रकबे में वृक्षारोपण के साथ सुरक्षित रखने के लिए ट्री-गार्ड, फेसिंग एवं पानी की समुचित व्यवस्था किये जाने कहा।

इन योजनाओं की समीक्षा :

कलेक्टर ने आश्रम-छात्रावासों हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों को सम्बन्धित आश्रम -छात्रावासों का निरीक्षण कर पेयजल, बिजली, शौचालय सहित अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिए। वहीं स्कूलों के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों पर भर्ती, कोविड टीकाकरण हेतु माइक्रोप्लान, स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र एवं ग्राम पंचायत भवनों में रनिंग वॉटर की व्यवस्था, गोधन न्याय योजना, मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना, सुपोषण अभियान आदि की विस्तृत समीक्षा की गयी।

जिले के पर्यटन स्थल खुड़िया में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

मुंगेली/नवप्रदेश। आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कलेक्टर के निर्देश पर जिले के विकासखण्ड लोरमी के राजीव गांधी जलाशय के तलहटी पर स्थित पर्यटन स्थल खुड़िया में विशाल योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोरमी विधानसभा क्षेत्र के विधायक धर्मजीत सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लेखनी सोनू चंद्राकर ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारी, कर्मचारियों के साथ योगाभ्यास किया। पतंजली योग समिति के योगाचार्य गणेश कुलमित्र, शिवलाल ध्रुर्वे एवं श्याम सिंह राजपूत, रामप्रकाश राजपूत तथा प्रेमा अग्रवाल ने ''मानवता के लिए योग'' थीम पर प्राणायाम, अनुलोम विलोम सहित योग के विभिन्न विधाओं में योगाभ्यास कराया। इस अवसर पर सभी लोगों को ''करें योग रहें निरोग'' का संदेश देते हुए शारीरिक और मानसिक तथा तनावरहित जीवन के लिए योग के महत्व को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत लोरमी के उपाध्यक्ष खुशबू आदित्य वैष्णव, जनपद पंचायत सदस्य अशोक सिंद्राम एवं होरीलाल राजपूत, लोरमी एसडीएम मेनका प्रधान, गणमान्य नागरिक रवि शुक्ला, राकेश छाबड़ा, जनपद पंचायत लोरमी के सीईओ तिवारी, ग्राम पंचायत खुड़िया के सरपंच रामू निषाद, ग्राम नवांगाव दयाली के सरपंच जलकुवंर वैष्णव, ग्राम पंचायत बिजराकछार के सरपंच पुष्पा साहू, ग्राम पंचायत छपरवा के सरपंच रामावतार जायसवाल, ग्राम पंचायत सुरही के सरपंच यशोदा जायसवाल, सहित बड़ी संख्या में छात्र,छात्राएं और ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कोरोना से मौत : 90 दिनों के भीतर मिलेगा अनुदान सहायता राशि

मुंगेली/नवप्रदेश। राज्य शासन के के दिश-निर्देश के अनुरूप अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी तीर्थराज अग्रवाल ने कोविड-19 के कारण मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुदान सहायता देने के संबंध में जिले के समस्त तहसीलदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया है। जारी दिशा-निर्देश के अनुसार कोविड-19 के कारण मृत्यु की तारीख से मुआवजे के लिए दावा राशि तैयार करने के लिए 90 दिवस का समय-सीमा तय करने का निर्णय लिया गया है। यह दिशा-निर्देश 21 मार्च 2022 के पश्चात् कोविड-19 से मृत्यु होने पर लागू होगा।

जनचौपाल में मिले 141 आवेदन, कलेक्टर ने त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

■ कलेक्टर के सामने ग्रामीणों ने रखीं समस्याएं व शिकायतें

कोरबा/नवप्रदेश। जनचौपाल में जिलेवासियों ने अपनी समस्याओं, शिकायतों और सुझावों को जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए। कलेक्टर रानू साहू ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में आयोजित जनचौपाल में लोगों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित निदान के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। जन चौपाल में 141 लोगों ने अपनी समस्याओं-सुझावों से अवगत कराया। कलेक्टर ने संवेदनशीलता के साथ पहल करके नागरिकों की मदद करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होने पात्रतानुसार सभी जरूरतमंदो की सहायता कर लाभान्वित करने के निर्देश दिये। साथ ही प्राथमिकता के साथ जनचौपाल में नागरिकों से प्राप्त समस्याओं का निराकरण करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने जन चौपाल में आए राशन, पेंशन, बिजली, आवास आदि की समस्याओं से संबंधित आवेदनों पर प्राथमिकता से कार्य करते हुए शिकायतों के त्वरित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। जनचौपाल में जिले के दूर दराज के इलाकों सहित शहरी क्षेत्रों से भी लोग कलेक्टोरेट पहुंचे।

तहसीलदार को कार्रवाई करने के निर्देश

जनचौपाल में दर्री निवासी लक्ष्मीनारायण तिवारी ने ऋण पुस्तिका बनाकर देने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने आवेदन पर त्वरित संज्ञान लेते हुए तहसीलदार दीपका को आवश्यक कार्यवाही कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश मौके पर ही दिये। इसी प्रकार तहसील बरपाली अंतर्गत ग्राम फत्तेगंज निवासी सुधवार सिंह ने किसान किताब दिलाये जाने के संबंध में आवेदन दिया। कलेक्टर ने आवेदक को किसान किताब दिलाये जाने के संबंध में तहसील बरपाली को जरूरी निर्देश दिये। जन चौपाल मे एक अन्य आवेदन में तहसील पाली के ग्राम रैनपुर खुर्द निवासी अनिता बाई चौकसे ने राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन मजदूर न्याय योजना के तहत नाम अंकित कराने तथा योजना के तहत लाभान्वित करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किये। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार हरदीबाजार को आवेदन के संबंध में आवश्यक कार्यवाही कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

प्रथम पृष्ठ का शेष

अफगानिस्तान में भूकंप...

मोहम्मद हसन अखुंद ने राहत बचाव के लिए आपातकाल बैठक बुलाई। वहीं अफगानिस्तानी सीमा के पास पाकिस्तान के कुछ इलाकों में भी भूकंप का असर हुआ है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफने एक बयान मे दुख व्यक्त किया और कहा कि वह अफगान लोगों की मदद करेंगे। यूरोपियन सीस्मोलॉजिकल एजेंसी का कहना है कि लगभग 500 किलोमीटर के इलाके मे भूकंप का असर रहा है और इससे 11.9 करोड़ लोगों पर फर्क पड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा...

कहा है कि हाल ही में कुछ लोगों के घरों को तोड़े जाने के खिलाफ दायर एक याचिका में 'स्थानीय विकास प्राधिकरणों द्वारा की गई कानूनी कार्रवाई को विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया को दुर्भावनापूर्ण रंग देने का प्रयास किया गया है।'

राज्य सरकार ने जावेद मोहम्मद के कब्जे वाले भवन को गिराने के बारे में कहा कि स्थानीय निवासियों की ओर से अवैध निर्माण और 'वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया' के कार्यालय के लिए उसी भवन को व्यावसायिक तौर पर इस्तेमाल करने की शिकायतें मिली थीं।

सरकार ने कहा कि यह निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन के दायरे में था, लोग दिन-रात हर समय यहां आते-जाते रहे और अपने गाड़ियों को सड़क पर खड़ी करते थे। इस वजह से राहगीरों को आने-जाने में लगातार समस्या पैदा हो रही थी। इन शिकायतों के के मद्देनजर तोड़फोड़ से पूर्व 12 जून को नोटिस जारी की गई थी। हलफनामे में तर्क दिया गया है कि स्थानीय विकास प्राधिकरणों द्वारा अवैध निर्माण तोड़े गए हैं। यह प्राधिकरण राज्य प्रशासन से स्वतंत्र वैधानिक स्वायत्त निकाय हैं।

इतना बढ़ा रूस...

सूरजमुखी तेल, फर्टिलाइजर्स और नॉन-इंडस्ट्रियल हीरे शामिल रहे. रूस से भारत की बढ़ी खरीदारी का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि वह अप्रैल महीने में इराक, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के बाद क्रूड ऑयल का चौथा सबसे बड़ा सप्लायर बन गया.

नेशनल हेराल्ड केस...

एजेएल तब तक एक कांग्रेस नियंत्रित कंपनी थी, जिसके पास अनुमानित संपत्ति 800 करोड़ रुपये से अधिक थी।

आपको बता दें कि हर बार की तरह मंगलवार को भी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा अपने भाई और कांग्रेस नेता राहुल गांधी साथ ईडी के दफ्तर के पास तक आईं और उन्हें छोड़कर अपने सुरक्षा बलों के काफिले के साथ वापस लौट गईं। इस बीच, पूछताछ का विरोध में मार्च निकाल रहे कई पार्टी नेताओं को पुलिस ने हिरासत में भी लिया।

इससे पहले ईडी राहुल गांधी से चार बार पूछताछ कर चुका है। यह पूछताछ 13,14, 15 और 20 जून को हुई। सूत्रों का कहना है कि ईडी राहुल गांधी से उन परिस्थितियों के बारे में पूछताछ कर रही है, जिनके तहत एजेएल का यंग इंडिया ने अधिग्रहण किया।

बता दें कि ईडी इस मामले में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मिल्लिकार्जुन खड़गे और पवन बंसल सहित पार्टी के कई नेताओं से पूछताछ कर चुकी है। ईडी ने इस मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी 23 जून को तलब किया है। उन्हें कोरोना संक्रमण की वजह से 12 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हाल ही में उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी गई है। डॉक्टरों ने फिल्हाल उन्हें आराम करने की सलाह दी है।

क्रमशः

स.क्र.	नि.आ. सू.क्र.	कार्य का नाम	राशि (रु.लाख)
31	6444	जिला सुकमा के वि.खं. सुकमा के उप स्वास्थ्य केन्द्र बड़ेसत्ती में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र मरोकी में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	18.28
32	6445	जिला बीजापुर के वि.खं. बीजापुर के उप स्वास्थ्य केन्द्र पिडिया में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र डोडी में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	18.28
33	6446	जिला दंतेवाड़ा के वि.खं. गीदम के उप स्वास्थ्य केन्द्र हिड़पाल में 06 बिस्तरीय, उप स्वास्थ्य केन्द्र छोटेकरका में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	18.28
34	6447	जिला दंतेवाड़ा के वि.ख. कटेकल्याण के उप स्वास्थ्य केन्द्र लखरास में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
35	6448	जिला कोण्डागांव के वि.ख. बड़ेराजपुर के उप स्वास्थ्य केन्द्र तेवनसा में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
36	6449	जिला कोण्डागांव के वि.ख. कोण्डागांव के उप स्वास्थ्य केन्द्र सिंघनपुर में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
37	6450	जिला कोण्डागांव के वि.ख. माकड़ी के उप स्वास्थ्य केन्द्र बागबेड़ा में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
38	6451	जिला कोण्डागांव के वि.ख. फरसगांव के उप स्वास्थ्य केन्द्र चारकायी में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
39	6452	जिला कांकेर के वि.ख. भानुप्रतापपुर के उप स्वास्थ्य केन्द्र कोरार में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
40	6453	जिला कांकेर के वि.ख. चारामा के उप स्वास्थ्य केन्द्र चारामा-ब में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
41	6454	जिला कांकेर के वि.ख. कांकेर के उप स्वास्थ्य केन्द्र राजापारा में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
42	6455	जिला कांकेर के वि.ख. कोईलीबेड़ा के उप स्वास्थ्य केन्द्र कापसी में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
43	6456	जिला कांकेर के वि.ख. नरहरपुर के उप स्वास्थ्य केन्द्र रवास में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
44	6457	जिला सुकमा के वि.ख. छिंदगढ़ के उप स्वास्थ्य केन्द्र कनकापाल में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
45	6458	जिला बीजापुर के वि.ख. भैरमगढ़ के उप स्वास्थ्य केन्द्र धरमा में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
46	6459	जिला बीजापुर के वि.ख. भोपालपट्टनम के उप स्वास्थ्य केन्द्र करपे में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
47	6460	जिला बीजापुर के वि.ख. उसूर के उप स्वास्थ्य केन्द्र पूसगुड़ी में 06 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य।	9.14
48	6461	जिला बस्तर वि.ख. जगदलपुर के गंगानगर वार्ड में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
49	6462	जिला बस्तर वि.ख. जगदलपुर के भैरमदेव वार्ड में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
50	6463	जिला कांकेर वि.ख. कांकेर के कंकालीनपारा में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21
51	6464	जिला कांकेर वि.ख. कांकेर के शितलापारा में शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का निर्माण कार्य।	22.21

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर दिनांक 27/06/2022 से देखी जा सकती है। उपरोक्त कार्यों की निविदा लो.नि.वि (2015) की दर से आंमत्रण की जा रही है, जिसकी अंतिम तिथि दिनांक 11/07/2022 तक है। निविदा में भाग लेने हेतु अमानत राशि, निविदा प्रकिया शुल्क एवं निविदा संबंधित सभी दस्तावेज आनलाईन स्वीकार की जावेगी। निविदा खोलने की सूचना वेबसाइट www.cgmsc.gov.in में देखी जा सकती है।

संवाद-32951/3 — अधीक्षण अभियंता

कोविड-19 टीकाकरण महाअभियान जारी

नगरी/नवप्रदेश। वनांचल क्षेत्र स्थित आदिवासी विकासखंड नगरी में कलेक्टर पी.एस.एल्मा के निर्देशानुसार स्कूली बच्चों, द्वितीय डोज ओवर ड्यू, हेल्थ केयर वर्कर, फ्रंटलाइन वर्कर तथा 60 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लोगो का कोविड 19 टीकाकरण हेतु विशेष महाअभियान 22 से 24 जून तक आयोजित किया जाएगा। विकासखंड शिक्षा अधिकारी सतीश प्रकाश सिंह ने समस्त संकुल नोडल प्राचार्य, संकुल शैक्षिक समन्वयक, शासकीय-अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्य, प्रधान पाठकों को कोविड 19 टीकाकरण हेतु विशेष महाअभियान 22 से 24 जून तक आयोजित किये जाने के निर्देश दिये है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा, मीनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सरोरा रोड, उरला इंडस्ट्रियल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर वर्मा एग्जोटीका फ्लैट नंबर 103, सर्किट हाउस के सामने बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- प्रमोद शर्मा* प्रबंध संपादक- चन्द्रशेखर धोटे, फोन नंबर : 8120029029-9406245514, डाक पंजीयन क्रमांक G-2-112/CG/BPL/108/2020-22

देश में कोरोना संक्रमण के मामले 81 हजार से पार

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 12,249 नये मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर कुल 43330945 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक 196.45 करोड़ कोविड टीके दिये जा चुके हैं। देश में कोरोना सक्रिय रोगियों की संख्या 81,687 है। देश में सक्रिय मामलों की दर 0.19 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 3.94 प्रतिशत दर्ज की गयी।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 13 लोगों की मौत हुई है। इसी के साथ देश में इस महामारी से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 524903 पर पहुंच गया है। देश में कोविड-19 से होने वाली मौतों की दर 1.21प्रतिशत है। इसी अवधि में 9862 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल 42725055 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.60 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में 3,10,623 कोविड परीक्षण किये गये हैं। देश में अब तक कुल 85.88 करोड़ कोविड परीक्षण किए गए हैं।

कोविड टीकाकरण में 196.45 करोड़ टीके लगे

देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के तहत 196.45 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 196 करोड़ 45 लाख 99 हजार 906 टीके दिये जा चुके हैं। पिछले 24 घंटे में 12 लाख 28 हजार 291 टीके लगाए गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 12 हजार 249 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या कुल चार करोड 33 लाख 30 हजार 945 हो गयी है। देश में साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 2.90 प्रतिशत है और दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 3.94 प्रतिशत है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 9,862 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 27 लाख 25 हजार 055 रोगी कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.60 प्रतिशत है। देश में सक्रिय मामले आज 81,687 हैं। सक्रिय मामले, कुल पॉजिटिव मामलों के 0.19 प्रतिशत हैं। देश में पिछले 24 घंटे में तीन लाख 10 हजार 623 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 85.88 करोड़ परीक्षण किए जा चुके हैं।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 302 बढ़कर 24915 हो गई है और 3356 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 7768958 तक पहुंच गया है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 147889 हो गया है।

केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामले 315 बढ़ने से इनकी संख्या 23460 रह गयी। वहीं, 2286 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6511136 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 69897 हो गया है। दिल्ली में सक्रिय मामले 220 बढ़कर 5595 हो गए हैं। राज्य में इस जानलेवा वायरस को 1162 और लोगों ने मात दी, जिसके बाद कोरोना से मुक्त होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 1892698 हो गई है। अभी तक इस महामारी से 26239 लोगों की मौत हो चुकी है।

कर्नाटक में सक्रिय मामले 38 घटकर 1450 हो गये हैं। इस दौरान 86 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 3904577 हो गई है। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 40057 पर स्थिर है।

द्रौपदी मुर्मू के नाम पर विपक्ष में लगेगी सेंध

कांग्रेस संग सरकार चला रही जेएमएम दे सकती है बीजेपी का साथ

रांची। भारतीय जनता पार्टी ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए का उम्मीदवार बनाकर बड़ा दांव चल दिया है, जिससे झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की दुविधा भी बढ़ गई हैं। विपक्ष के साझा उम्मीदवार के रूप में यशवंत सिन्हा को उतारने के लिए जेएमएम ने भी हस्ताक्षर किया था, लेकिन एनडीए की ओर से आदिवासी उम्मीदवार को उतारे जाने के बाद शिबू सोरेन की अगुआई वाली पार्टी अपना स्टैंड बदल सकती है। यदि द्रौपदी मुर्मू चुनाव जीतती हैं तो वह देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति होंगी।

झारखंड में कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार चला रही जेएमएम के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी मुर्मू का समर्थन कर सकती है, जिन्हें झारखंड में कार्यकाल पूरा करने वाली एकमात्र राज्यपाल होने का गौरव प्राप्त है। वह छह सालों तक झारखंड की राज्यपाल रही थीं। बताया जाता है कि मुर्मू वैचारिक और व्यक्तिगत रूप से शोरेन परिवार से जुड़ी रही हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि खुद को आदिवासियों की पार्टी के रूप में पेश करने वाली जेएमएम के लिए मुर्मू के खिलाफ जाना कठिन होगा।

जेएमएम को छवि की चिंता

पार्टी के एक नेता ने कहा, ''जब समुदाय (आदिवासी) के लिए कुछ महत्वपूर्ण हो रहा है तो खुद को दूसरे पक्ष में देखना वैचारिक रूप से मुश्किल होगा। यद्यपि यशवंत सिन्हा भी झारखंड के नेता हैं, लेकिन मुर्मू को नजरअंदाज करना मुश्किल होगा, खासकर तब जब बीजेपी जैसे दल ने समर्थन देकर सिन्हा की जीत को और ज्यादा मुश्किल बना दिया है।'' पार्टी नेताओं का कहना है कि मुर्मू का सोरेन परिवार से व्यक्तिगत रिश्ता निर्णय में अहम भूमिका निभाएगा।

दोनों परिवार में मधुर संबंध

जेएमएम के एक नेता ने कहा, ''दोनों परिवारों में घनिष्टता है। ओडिशा के मयूरभंज जिले में सोरेन के कई पारिवारिक रिश्ते हैं, जहां से मुर्मू आती हैं। हमंत सोरेन की पत्नी सहित शिबू सोरेन की दो बहुएं इसी इलाके से हैं। हेमंत की बहन का विवाह भी उसी इलाके में हुआ है। यह सब मुर्मू का पलड़ा भारी बनाता है। हालांकि, अभी अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व को करना है।''

मुर्मू ने भाजपा के कानून को कर दिया था खारिज

मुर्मू ने राज्यपाल के रूप में झारखंड में तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा लाए गए भूमि किरायेदारी कानून में संशोधन को खारिज कर दिया था। इसके बाद जेएमएम ने भाजपा को आदिवासी विरोधी बताते हुए आंदोलन की शुरुआत की थी।

इसके बाद 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी के गठबंधन ने जीत हासिल करके सरकार बनाई थी। 81 सदस्यों वाली विधानसभा में जेएमएम के 30 विधायक हैं। कांग्रेस के 17 और आरजेडी के एक विधायक का समर्थन सरकार को प्राप्त है।

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ज़हीर अब्बास आईसीयू में भर्ती

लंदन (वार्ता) पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ज़हीर अब्बास की तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें लंदन के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

जियो न्यूज़ ने मंगलवार को अब्बास के परिवार के हवाले से बताया कि उन्हें तीन दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जियो न्यूज़ ने कहा कि दुबई से लंदन जाते हुए अब्बास कोरोना संक्रमित हो गये थे। लंदन पहुंचने के बाद उन्होंने गुर्दे में दर्द की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें निमोनिया होने की जानकारी मिली। सूत्रों के अनुसार वह इस समय डायलिसिस पर हैं और डॉक्टरों ने उन्हें किसी से भी मिलने से मना किया है।

अग्निपथ योजना भी वापस लेगी मोदी सरकार... राहुल गांधी ने कृषि कानूनों का दिया हवाला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार 'अग्निपथ' योजना के माध्यम से सेना को 'कमजोर' कर रही है, इसलिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को इस नई सैन्य भर्ती योजना को वापस लेना होगा जैसे कृषि कानूनों को वापस लिया गया था।

पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी इस वक्त नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पूछताछ का सामना कर रहे हैं। अपने समर्थन में सड़क पर प्रदर्शन करने वाले कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वह पूछताछ के दौरान अकेले नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के लिए लड़ने वाले सभी लोग उनके साथ हैं।

सेना में नौकरियों का रास्ता भी बंद कर दिया

केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा नौकरियों का है और सरकार ने छोटे और मध्यम व्यवसायों को नुकसान पहुंचाकर देश की रीढ़ तोड़ दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को दो-तीन उद्योगपतियों के हवाले कर दिया है और अब सेना में नौकरियों का आखिरी रास्ता भी बंद हो गया है।

सेना को कमजोर कर रही सरकार

राहुल गांधी ने कहा, वे 'एक रैंक, एक पेंशन' की बात करते थे, अब वे 'नो रैंक, नो पेंशन' लेकर आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चीनी सेना हमारी जमीन पर बैठी है और ऐसे वक्त पर सेना को मजबूत किया जाना चाहिए लेकिन सरकार इसे कमजोर कर रही है। आगे कहा, जब युद्ध होगा तो इसके परिणाम स्पष्ट होंगे ... वे सेना को कमजोर कर रहे हैं, इससे देश को नुकसान होगा और वे खुद को राष्ट्रवादी कहते हैं।

मोदी सरकार वापस लेगी अग्निपथ योजना

उन्होंने कहा, मैंने कृषि कानूनों के बारे में कहा था कि मोदीजी को उन्हें वापस लेना होगा और उन्होंने ऐसा ही किया। अब, कांग्रेस कह रही है कि प्रधानमंत्री मोदी को अग्निपथ योजना वापस लेनी होगी और सभी युवा इस पर हमारे साथ खड़े हैं।

न्यूज गैलरी

बिश्नोई की आधी रात को कोर्ट में पेशी, 27 तक पुलिस रिमांड बढ़ाई गई

नई दिल्ली। मूसेवाला मर्डर केस के मास्टरमाइंड लॉरेंस विश्नोई का पुलिस रिमांड 5 दिन बढ़ गया है। लॉरेंस अब 27 जून तक पुलिस रिमांड में रहेगा। मंगलवार देर रात उसे मानसा कोर्ट में पेश किया गया। रिमांड मिलने के बाद पंजाब पुलिस उसे मानसा से रात को ही खरड़ स्थित क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी स्टाफ के दफ्तर ले आई है। इससे पहले पहले लॉरेंस विश्नोई का मानसा के सिविल अस्पताल में मेडिकल करवाया।

दरअसल, पंजाब पुलिस ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को कड़ी सुरक्षा के बीच मानसा जिला अदालत में देर रात करीब 10 बजे पेश किया। पुलिस ने कोर्ट में दलील दी कि कई गैंगस्टरों से लॉरेंस के सामने बिठाकर पूछताछ करनी है। पुलिस रिमांड के दौरान लॉरेंस बिश्नोई को मोहाली के सीआईए स्टाफके दफ्तर में रखा गया था और यहीं से कड़ी सुरक्षा के बीच मानसा ले जाया गया। बताया गया कि सुरक्षा कारणों के चलते लॉरेंस बिश्नोई की पेशी रात में ही मानसा कोर्ट के सामने करवाई गई। पंजाब पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई का मानसा अदालत से 10 दिन का रिमांड मांगा था लेकिन मानसा कोर्ट ने 27 जून तक रिमांड दिया गया है। अब 27 जून को लॉरेंस बिश्नोई को मानसा जिला अदालत में एक बार फिर से पेश किया जाएगा।

भूस्खलन के कारण श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग दूसरे दिन भी बाधित

श्रीनगर (वार्ता)। जम्मू कश्मीर में हो रही मूसलाधार बारिश और इसके प्रभाव में हो रहे भूस्खलन के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बुधवार को दूसरे दिन भी बाधित रहा, साथ ही ऐतिहासिक मुगल रोड भी बंद रहा। यातायात पुलिस अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पंथयाल में कई जगहों पर लगातार पत्थर गिर रहे हैं ऐसे में दूसरे दिन भी यातायात बाधित रहा।

भारी बारिश के कारण ऊधमपुर से 16 किलोमीटर दूर टोल्डी नाला में करीब 150 फुट हिस्सा पानी में बह गया। तावी नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण कई आधुनिक मशीनें बह गयीं।

अधिकारी ने आज राजमार्ग खुलने की कोई संभावना से इंकार कर दिया हालांकि इस भारी बारिश और भूस्खलन किसी की मौत नहीं हुई है। यातायात विभाग के अधिकारी ने कहा, पूरे राजमार्ग पर भारी बारिश और पत्थरों के गिरने के कारण लगभग 3000 हल्के और भारी वाहन यहां वहां फंसे हैं।

दक्षिण कश्मीर के शोपियां को जम्मू मंडल के पुंछ से जोड़ने वाले ऐतिहासिक मुगल रोड पर यातायाता बाधित है। पुलिस ने बताया कि श्रीनगर -सोनमर्ग और गुमरी को लद्दाख से जोड़ने वाले मार्ग पर ही यातायात जारी है। उत्तरी कश्मीर में बांदीपोरा -गुरेज मार्ग पर बर्फबारी के बाद यातायात रोक दिया गया है। इस बीच यातायात विभाग ने लोगो के लिए सलाह जारी की है कि यातायात नियंत्रण यूनिट से निश्चत किये बिना जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर यात्रा करने से बचें।

राहुल के साथ दुश्मन जैसा बर्ताव कर रही है केंद्र सरकार: गहलोत

नयी दिल्ली (वार्ता) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश के माहौल को चिंताजनक बताते हुए कहा है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से 50 घंटे तक प्रवर्तन निदेशालय -ईडी की पूछताछ में पुलिस का रवैया दुश्मन जैसा रहा और ऐसा रुख किसी सरकार का विपक्ष के प्रति पहले कभी देखने को नही मिला।

श्री गहलोत ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विपक्ष के साथ पहली बार ऐसा व्यवहार देखने को मिला। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और खासकर महिला कार्यकर्ताओं के साथ अभद्रता की गई है। श्री गांधी से 50 घंटे तक पूछताछ करना और पुलिस प्रशासन का इस दौरान जो तानाशाही रवैया रहा किसी राजनीतिक दल नेता के साथ पहले कभी ऐसा देखने को नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि राजनीति में विपक्ष जनता के मुद्दे को लेकर अक्सर ऐसा करता है लेकिन पहली बार देखने को मिला कि विपक्ष के नेता के साथ दुश्मन जैसा व्यवहार हुआ है। उनका कहना था कि राज्यों में भी विपक्ष होता है और भाजपा कई राज्यों में विपक्ष में है लेकिन उनके साथ कांग्रेस सरकार ऐसा व्यवहार नहीं करती है जैसा केंद्र ने श्री गांधी के साथ किया। यह खतरनाक है और अब यह कहना मुश्किल हो गया है कि देश किस तरफ जा रहा है इसलिए जनता के लिए अब सत्य का साथ देने का वक्त आ गया है।

श्री गहलोत ने कहा कि सरकार युवाओं के साथ भी अन्याय कर रही है, देश की अर्थव्यवस्था खराब हो गई है, बेरोजगारी चरम पर है और सरकार इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की बजाय इन मुद्दों को उठाने के लिए विपक्ष को डराने एवं धमकाने का काम कर रही है।

विधायक ने सबके सामने कॉलेज के प्रिंसिपल पर उठाया हाथ, सोशल मीडिया पर फजीहत

बेंगलुरु। कर्नाटक में जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) के विधायक ने एक कॉलेज के प्रिंसिपल पर हाथ उठा दिया। यह सारा वाकया कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद लोग विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। दरअसल विधायक एम श्रीनिवास एक कॉलेज के दौरे पर पहुंचे थे। कॉलेज में नए कंप्यूटर लैब के काम को लेकर जब प्रिंसिपल जवाब नहीं दे पाए तो श्रीनिवास ने उनपर हाथ उठा दिया।

वीडियो देखकर ऐसा लगता है कि श्रीनिवास ने दो-तीन बार थप्पड़ मारने की पोजीशन बनाई। हालांकि प्रिंसिपल को थप्पड़ लगा या नहीं. यह स्पष्ट नहीं है। यह घटना मंड्या की है। 20 जून को श्रीनिवास नलवाड़ी कृष्णा राजा वाडियार आईटीआई कॉलेज का दौरा करने पहुंचे थे। उनके साथ कुछ अधिकारी और राजनेता भी थे। इसमें एक महिला भी शामिल थी।

इस घटना का वीडियो देखकर सोशल मीडिया पर लोगों को गुस्सा फूट पड़ा। एक यूजर ने ट्विटर पर लिखा, इतना कुछ हो गया और प्रिंसिपल शांति से देखता रहा।

रक्षा क्षेत्र में सहयोग का दायरा बढ़ाएंगे भारत और ऑस्ट्रेलिया

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग को और पुख्ता करने तथा इसके दायरे को व्यापक बनाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की चार दिन की यात्रा पर आए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री तथा रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ले के साथ बुधवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता की। वार्ता के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि दोनों मंत्रियों ने रक्षा सहयोग से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा की और इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि कोरोना महामारी के बावजूद ये गतिविधि बढ़ी हैं। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में सहयोग का दायरा व्यापक करने के उपायों पर भी चर्चा की। वार्ता के दौरान दोनों मंत्रियों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक सामरिक साझेदारी के महत्वपूर्ण सतंभों रक्षा तथा सुरक्षा के संदर्भ में स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने व्यापक सामरिक साझेदारी के क्रियान्वयन के प्रति वचनबद्धता दोहराई और कहा कि यह परस्पर विश्वास, समझ, साझा हितों तथा लोकतंत्र और नियमों में बंधी व्यवस्था के साझा मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने दोनों देशों की सेनाओं के बीच अभ्यासों की बढ़ती संख्या और विविधता का स्वागत किया और भारत-ऑस्ट्रेलिया सैन्य साजो सामान आदान-प्रदान से संबंधित व्यवस्था के तहत संचालन संबंधी मेलजोल पर भी बल दिया।

कानपुर हिंसा: हिरासत में लिये गए बाबा बिरयानी के मालिक, जफर को फंड देने का आरोप

कानपुर। कानपुर में जुमे के दिन हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने मशहूर रेस्त्रां बाबा बिरयानी के मालिक मुख्तार बाबा को हिरासत में ले लिया है. पुलिस का दावा कि मुख्तार बाबा ने हिंसा के मुख्य आरोपी गया जफर हयात हाशमी को फंड दिया था. मुख्तार बाबा पर कई क्रिमनल केस दर्ज हैं. जल्द ही एसआईटी हिंसा के और भी आरोपियों को गिरफ्तार कर सकती है.

बता दें कि जांच एजेंसियों की पूछताछ में हिंसा के मास्टरमाइंड जफर हयात हाशमी ने कई बड़े नाम उगले थे. उन्हीं में से एक बाबा बिरयानी का नाम क्राउडफंडिंग से जुड़ा था. बाबा बिरयानी ने पत्थरबाजी के लिए बुलाए गए लोगों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था और फंडिंग में मदद की थी. यही नहीं, शत्रु संपत्ति और प्राचीन मंदिर के एक हिस्से पर कब्जा कर बिरयानी की दुकान खोलने के मामले में भी बाबा बिरयानी का नाम आ चुका है.

क्या है कानपुर हिंसा?

3 जून को जुमे की नमाज के बाद कानपुर में बवाल हुआ था. दो समुदाय आमने-सामने आ गए थे और कुछ ही देर में हिंसा भड़क गई थी. दोनों पक्षों की तरफ से पथराव किया गया. यहां दुकानें बंद कराने को लेकर विवाद की शुरुआत हुई थी. घटना के बाद सरकार एक्शन मोड में है. मामले में लगातार चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं. हिंसा में उपद्रवियों ने पेट्रोल बम का भी इस्तेमाल किया था. जांच के बाद पता चला कि हिंसा से ठीक पहले पेट्रोल पंपों से पेट्रोल खरीदा गया था.

कैसे हुई विवाद की शुरुआत?

इस विवाद की शुरुआत बीजेपी से निलंबित की जा चुकीं प्रवक्ता नूपुर शर्मा के एक टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मोहम्मद को लेकर विवादित टिप्पणी से हुई थी. उनके बयान के विरोध में कानपुर में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बाजार बंद बुलाया था. इसी दौरान दुकानों को बंद कराए जाने को लेकर बवाल हो गया था जिसके बाद हिंसा भी हुई थी. बाद में भारतीय जनता पार्टी ने धर्म विशेष को लेकर उनके बयान से किनारा करते हुए उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था.

57 लोगों को भेजा जा चुका है जेल

पुलिस ने इस मामले में अब तक 13 एफआईआर दर्ज की हैं. अबतक 57 लोगों को जेल भी भेजा जा चुका है. मुख्य आरोपी जफर हयात और उसके साथी को पुलिस ने कानपुर जेल से दूसरे जिलों की जेलों में शिफ्ट कर दिया है.

इटावा में वंदे भारत एक्सप्रेस का इंजन फेल

इटावा (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में दिल्ली हावडा रेलमार्ग पर भरथना रेलवे स्टेशन पर 22436 सुपर फास्ट वंदे भारत एक्सप्रेस के इंजन में आयी खराबी के कारण करीब 15 मिनट रोकना पड़ा। ट्रेन के अचानक खड़ा होने से यात्रियों में बेचैनी देखी गयी। इटावा जंक्शन स्टेशन अधीक्षक पूरनमल मीना ने बुधवार को बताया कि सुपर फास्ट वंदे भारत एक्सप्रेस इटावा रेलवे स्टेशन से रवाना होकर भरथना पहुंची थी कि ट्रेन अचानक झटका देकर रूक गयी। रेलगाडी के रूकने के पीछे इंजन मे खराबी की बात सामने आई है। लोको पायलट ने इंजन में खराबी के चलते ट्रेन को रोक दिया और तकनीकी स्टाफने कमी को दूर करके ट्रेन को रवाना कराया। इंजन मे आई खराबी के कारण ट्रेन को करीब 15 मिनट तक भर्थना रेलवे स्टेशन पर खड़ा रहना पड़ा।

शक्ति पम्पस इंडिया लिमिटेड अग्निवीरों को नौकरी में देगा विशेष प्राथमिकता

- **शक्ति पम्पस इंडिया लिमिटेड के प्रमुख दिनेश पाटीदार ने उम्मीद जताई कि अग्निपथ योजना से कॉर्पोरेट सेक्टर को अनुशासित वर्कफोर्स मिल सकेगा**

इंदौर। सरकार की युवाओं को सैन्य प्रशिक्षण योजना अग्निपथ की सराहना करते हुए शक्ति पम्पस इंडिया लिमिटेड ने एक बड़ी पहल की है। शक्ति पम्पस अपनी कंपनी में अग्निपथ योजना से निकले अग्निवीरों को नौकरी में प्राथमिकता देगा। शक्ति पम्पस के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर दिनेश पाटीदार ने सरकार से आग्रह किया है कि इसे नौकरी की जगह ट्रेनिंग का ही नाम दिया जाए। शक्ति पम्पस के चेयरमेन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री दिनेश पाटीदार मानते हैं कि आज कार्पोरेट बिजनेस भी अनुशासित वर्कफोर्स की कमी से जूझ रहा हैं। अगर अग्निवीर इंडस्ट्री में होगें तो वे अपने कार्य को अधिक सफलतापूर्वक एवं ईमानदारी से पूर्ण करेंगें। ऐसे अनुशासित और शारीरिक व मानसिक रूप से दक्ष युवाओं को नौकरी देना हमारी प्राथमिकता होगी।

देश में आज लाखों युवक कोचिंग क्लासेस जा कर दो साल की कड़ी मेहनत करके फीस देकर सेना में भर्ती होने की कोशिश करते हैं। आंकड़ों के अनुसार 50000 आवेदकों में से मुश्किल से 1 का चयन हो पाता है। देश आज प्रतिवर्ष 50000 अग्निवीर की भर्ती होने के मुद्दे पर युवाओं के व्यवहार से आश्चर्य में है, जिसमें से 25 प्रतिशत युवाओं को ट्रेनिंग पूरी होने के बाद सेना में ही स्थायी नियुक्ति मिल जायेगी, यानी प्रतिवर्ष 1 के बजाय साढ़े बारह हजार युवाओं को सेना में रोजगार मिलेगा।

शक्ति पम्पस के प्रमुख पाटीदार ये भी मानते हैं कि अग्निवीर एक बहुत ही अच्छी योजना है क्योंकि आजकल बहुत से युवा बी.एस.सी., बी.ए., एम.बी.ए. आदि की डिग्री लेकर लक्ष्यविहीन घूम रहे है। ये यदि अग्निवीर की नौकरी पाकर एक प्रकार से जब 4 साल की ट्रेनिंग लेकर वापस लौटेंगे तब एक नया समाज बनाएंगें, एक नया देश बनेगा और इससे भारत के युवाओं को सही दिशा में पहुंचने में बहुत मदद मिलेगी। हम हमारे संस्थान में ऐसे युवाओं को लेना पसंद करेंगें जो अनुशासित हों, देशसेवक हों, ईमानदारी से कार्य करना चाहते हों।

फिल्म निर्देशक तरुण मजूमदार की हालत नाजुक

कोलकाता (वार्ता)। पश्चिम बंगाल के दिग्गज फिल्म निर्देशक तरुण मजूमदार की हालत गंभीर है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि फिल्म निर्देशक मजूमदार (92)को गुर्दे की समस्या की शिकायत के बाद पिछले शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका अभी एसएसकेएम अस्पताल के सीसीयू में इलाज चल रहा है। उन्हें सोमवार को एसएसकेएम के सीसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया। अस्पताल के एक प्रवक्ता ने कहा कि उनकी हालत में सुधार के बाद उन्हें जनरल वार्ड में स्थानांतरित कर दिया था लेकिन सोमवार रात को उनकी तबियत खराब होने पर फिर से आईसीयू में भर्ती कराया गया है। श्री मजूमदार डॉ. सौमित्र घोष और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सोमनाथ कुंडू की देखरेख में हैं। उन्हें 1962 की बंगाली फिल्म कांचर स्वर्ग के लिए पहला राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। श्री मजूमदार को एक राष्ट्रीय पुरस्कार, एक बीएफजेए पुरस्कार और निमंत्रण (1971) के लिए एक फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। इसके अलावा गणदेवता (1979) ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया। वह वर्ष 1990 में पद्म श्री और पांच फिल्मफेयर पुरस्कार से नवाजे गये। निर्देशक तरुण ने बालिका बधू (1967), कुहेली (1971), श्रीमन पृथ्वीराज (1973), फुलेश्वरी (1974), दादर कीर्ति (1980), भालोबासा (1985) और अपान अमर अपान (1990) जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाईं।

गोंचा महापर्व की तैयारियां शुरू, 25 फीट ऊंची काष्ठ रथ पर होंगे सवार भगवान जगन्नाथ

देश का दूसरा सबसे बड़ा रथ यात्रा पर्व बस्तर में मनाया जाता है

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर में हर साल मनाए जाने वाले गोंचा पर्व की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। शहर के जगन्नाथ मंदिर में पर्व को मनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है। यह देश का दूसरा सबसे बड़ा रथ यात्रा है। भगवान जगन्नाथ के महापर्व रथ यात्रा को बस्तर में गोंचा कहते हैं। यह पर्व यहां 614 वर्षों से मनाया जा रहा है। इस साल भगवान जगन्नाथ के लिए 25 फीट ऊंची काष्ठ रथ तैयार किया जा रहा है। भगवान जगन्नाथ स्वामी अनसर काल में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। वहीं भगवान के रथयात्रा के लिए नए रथ का निर्माण कार्य शुरु हो गया है। कारीगर रथ के पहिए का ढांचा तैयार कर रहे हैं। एक सप्ताह के अंदर 25 फीट ऊंची काष्ठ रथ तैयार हो जाएगा। एक जुलाई को श्रीगोंचा पर्व में तीन अलग-अलग रथों पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा देवी को रथारुढ़ कर शहर परिक्रमा कराई जाएगी।

पांच सदस्यों की टीम बना रही रथ

कई दशकों से चली आ रही परम्परा के अनुसार बस्तर गोंचा पर्व के लिए एक नए रथ का निर्माण बेड़ा उमरगांव के कारीगर हरदेव के नेतृत्व में पांच सदस्यों की टीम करती है। कारीगरों के अनुसार एक सप्ताह के अंदर रथ का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। हरदेव के अनुसार दशहरा रथ की तरह गोंचा रथ का निर्माण भी उन्हीं के गांव के लोग करते हैं। रथ निर्माण के लिए लकड़ी व अन्य सामग्री टेंपल कमेटी उपलब्ध कराती है। कारीगरों को टेंपल कमेटी मजदूरी के रुप में एकमुश्त राशि देता है जिसे वे आपस में बराबर बांट लेते है।

9 दिनों तक होंगे विविध कार्यक्रम

एक जुलाई आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीया को परंपरानुसार नवनिर्मित गोंचा रथ सहित तीन रथों पर भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा तथा बलभद्र स्वामी के 22 विग्रहों को रथारुढ़ कर श्रीगोंचा रथयात्रा शुरु होगी। 30 जून को नेत्रोत्सव पूजा-विधान पूरी की जाएगी। बस्तर गोंचा महापर्व के दौरान सीरासार भवन और भगवान जगन्नाथ मंदिर परिसर में 9 दिनों तक विविध धार्मिक आयोजन होगें। आरण्यक ब्राम्हण समाज द्वारा प्रतिदिन अमनिया कार्यक्रम के तहत भोज का आयोजन करते है, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करते हैं।

1 करोड़ 20 लाख रुपए के शेड से स्टोन पत्थर गायब

- मनरेगा से स्वीकृत हुई थी राशि, कलेक्टर के फटकार के बाद नहीं लगा स्टोन पत्थर

बैकुंठपुर/नवप्रदेश। कोरिया जिले के बैकुंठपुर और मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल में प्रमुख हाट बाजारों में ग्रामीणों से वनोपज संग्रहण के लिए शेड निर्माण का कार्य मनरेगा से राशि स्वीकृति प्रदान कर कराया गया है किन्तु इसका लाभ ग्रामीणों को अब तक नहीं मिला जिसका ही परिणाम हैं कि अब तक जिले के कई स्थानों में निर्मित शेड से खरीदी भी नहीं हुई। कुछ स्थानों में तो यह सायकल स्टैंड बन कर रह गया। कुछ तो हल्की हवा में भी उड़ चुके थे जिसे दुबारा बनाया गया। अब इस एक शेड निर्माण में अधिकारी एक लाख तिरसठ हजार दो सौ साठ रुपए का स्टोन पत्थर ही गायब कर दिए जिससे जिले में इस स्टोन पत्थर के नहीं लगने से 6856920 लाख रुपये का गड़बड़झाला होने की संभावना है। अधिकारी कुछ स्थानों में लगने का हवाला दे रहे किन्तु ज्यादातर हिस्सों में यह लगा ही नहीं हैं। वही मटेरियल भुगतान हो जाने की सुगबुगाहट है। जिससे कोरिया जिले में बने वनोपज शेड की हालात किसी से छुपी नहीं है। वहीं अब मुख्यमंत्री के आगमन पर ही इस गड़बड़झाला में कार्यवाही होने की संभावना हैं। कलेक्टर की फटकार के बाद भी जिले के कई स्थानों में निर्मित शेड से स्टोन पत्थर अब भी गायब है। जिम्मेदार कार्य के प्रगतिशील होने का हवाला दे रहे। जबकि कार्य स्वीकृति हुए लगभग दो वर्ष हो गए है जिससे गायब स्टोन पत्थर को लेकर वन विभाग के अधिकारी की भूमिका को लेकर सवाल उठना लाजमी हैं। बैकुंठपुर व मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल में ज्यादातर शेड निर्माण अघोषित ठेकेदार के माध्यम से हुआ है जिस कारण निर्माण में भारी अनियमितता बरती गई है। निर्धारित तकनीकी प्रतिवेदन अनुसार कार्य न कराकर जल्दबाजी में कार्य पूरा करा लिया गया था जिसकी शिकायत वर्ष 2020 में ही पूर्व जिला पंचायत सीइओ से की गई थी किन्तु किसी भी प्रकार की जांच नहीं हुई। वहीं अधिकारी से जब मनरेगा व अन्य विभागों में हुई शिकायत के निराकरण की जानकारी मांगी तो कई शिकायतें कार्यालय में फाइलों में कैद मिली जिस पर नए अधिकारी ने जिला पंचायत के अधिकारियों को लंबित मामलों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। जहां एक मामला कोरिया वन मंडल व मनेन्द्रगढ़ वन मंडल में 42 नग शेड निर्माण का भी था किंतु क्या कार्यवाही हुई यह तो जिले के उच्च अधिकारियों को भी पता नहीं ऐसी जिले में हीं सुगबुगाहट है।

24 शेड के लिए 1.20 करोड़ स्वीकृत

मनरेगा अंतर्गत बैकुंठपुर वनमण्डल में वनोपज संग्रहण के लिए अलग अलग परिक्षेत्रों में 24 नग शेड निर्माण के लिए लगभग 1 करोड़ 20 लाख स्वीकृत किये गए है। मनेन्द्रगढ़ वन मंडल अंतर्गत 18 शेड निर्माण के लिए 90 लाख की स्वीकृति जारी की गई। दोनों वन मंडल के अधिकांश परिक्षेत्रों में तैयार किये गए शेड अभी से ही जर्जर हो चुके। वहीं पर शेड में लगने वाला स्टोन पत्थर भी गायब है। जबकि एक शेड में 120 स्कायर फीट में यह पत्थर लगना था जिसके एक शेड में लागत राशि 163260 रुपए स्वीकृति थी जबकि शेड में अभी संग्रहण कार्य शुरु भी नहीं हुआ है। शेड निर्माण अघोषित ठेकेदार के द्वारा कराया गया है। प्रत्येक शेड के लिए पांच पांच लाख स्वीकृत होने के बावजूद इस्टीमेट के मुताबिक शेड निर्माण कार्य नहीं कराया गया। यही हाल मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल का है जहां भी निर्मित शेड से स्टोन पत्थर गायब है।

क्या है जांच का मुख्य मुद्दा

जिला पंचायत से जारी पत्र में लेख है कि वनमंडल बैकुण्ठपुर एवं मनेन्द्रगढ़ जिला-कोरिया को मनरेगा योजनांतर्गत निर्माण कराये जा रहे स्वंय सहायता समूह हेतु (हाट बाजार) शेड में अनियमितता किये जाने की शिकायत प्राप्त हुयी थी। जिसका जांच दल द्वारा 09 निर्माण स्थल का जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसमें शेड निर्माण कार्य प्राक्कलन अनुसार नहीं बनाने का उल्लेख किया गया है। अधीनस्थ तकनीकी अमलों जिले स्वीकृत कुल 42 नग स्वंय सहायता समूह हेतु शेड निर्माण कार्य के निरीक्षण, वास्तविक माप एवं मूल्यांकन हेतु आदेशित कर प्रतिवेदन 1 सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। किन्तु क्या जांच व कार्यवाही हुई यह आज भी जिले में पहेली बना हुआ है।

क्या कहते हैं प्रभारी अधिकारी

वहीं जब कोरिया वन मंडल के सोनहत रेंज में निर्मित शेड निर्माण के स्टोन पत्थर नही लगने व भुगतान हो जाने के सम्बंध में कार्यालय के प्रभारी परिक्षेत्र अधिकारी सोनहत के अर्जुन पटनायक से जानकारी चाही गई तो इनका कहना था कि उक्त कार्य बैकुंठपुर के अधिकारी के द्वारा करवाया गया है। क्या कार्य हुआ है व क्या भुगतान हुआ है। वहीं से जानकारी लीजिए जब कहा गया कि कौन अधिकारी हैं तो इन्होंने वहीं से जानकारी लेने की बात कह कर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया।

8 माह से गायब नाबालिग लड़की लेह लद्दाख में मिली, आरोपी गिरफ्तार

बालोद/नवप्रदेश। पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार महिलाओं एवं बच्चों के विरूद्ध घटित अपराधों की त्वरित कार्यवाही एवं रोकथाम के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना डौण्डीलोहारा क्षेत्र से विगत 08 माह पूर्व से अपहृत लापता बालिका को पुलिस द्वारा लेह-लद्दाख (जम्मू-काश्मीर) से बरामद किया है। वहीं पुलिस ने नाबालिग लड़की का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना से पीड़िता गर्भवती भी है। 1 अक्टूबर 2021 को थाना डौण्डीलोहारा क्षेत्र की नाबालिक अपहृता अपने परिजनों को बिना बताये कहीं चले जाने की सूचना दी। जिस पर धारा 363 के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अपहृता का लगातार पता तलाश कर रही थी। अपहृता द्वारा अपने मोबाईल को बंद कर दिया गया था। इस कारण अपहृता का लोकेशन पुलिस को नहीं मिल पा रही थी। सायबर सेल से तकनीकी मदद लेकर संदेही तिलकराम मानिकपुरी, निवासी बुल्लुटोला के मोबाईल नंबर का मोबाईल लोकेशन लेह-लद्दाख (जम्मू-काश्मीर) मिलने पर वहां रवाना किया। उक्त टीम द्वारा अपहृता को आरोपी तिलकराम मानिकपुरी के कब्जे से ग्राम माहे थाना निवमा जिला लेह (लद्दाख जम्मू काश्मीर) में दस्तयाब कर एवं अपहृता व आरोपी हमराह लेकर थाना वापस आए। लड़की से पूछताछ के बाद आरोपी पर दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट का केस भी दर्ज हुआ है। शादी का प्रलोभन देकर युवक नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। जहां वह एक ठेकेदार के अधीन ब्रिज निर्माण कार्य में लगा हुआ था। नाबालिग लड़की गर्भवती भी है।

बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षकों की होती है महत्वपूर्ण भूमिका : कलेक्टर

- कलेक्टर ने ली स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल के शिक्षकों की बैठक

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल के शिक्षकों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षकों को विद्यार्थी और स्कूल के प्रति समर्पित होकर कार्य करना चाहिए। ताकि उनका नाम परिवार, समाज में सुशोभित हो सके। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही बालकों की योग्यता, क्षमता, रूचि, अभिरूचि आदि के अनुसार शिक्षा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि स्कूल हमारी पहचान है। शिक्षकों के कार्यो को विद्यार्थी नजदीक से देखता है और उन्हीं से सीखता है। अतः उन्होंने शिक्षकों को एक आदर्श मार्गदर्शक के रूप में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय का अच्छा वातावरण बालक के लिए सीखने की अनुकूल स्थितियां उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि बालक की योग्यता और क्षमता कैसी भी हो, विद्यालय का वातावरण जैसा होगा, बालक के व्यक्तित्व का विकास भी उसी के अनुरूप होगा। इस अवसर पर उन्होंने अध्यापक, शिक्षक और गुरूजी की विस्तारपूर्वक व्याख्या की और अपने अनुभवों को साझा किया। तत्पश्चात उन्होंने शाला में उपलब्ध सुविधाओं आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की और जिला शिक्षा अधिकारी सतीष पाण्डेय को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर एवं प्राचार्य सृष्टि शर्मा भी उपस्थित थी।

पुलिस ने हत्याकांड के आरोपियों का मुंह काला कर निकाला जुलूस

- पुलिस ने 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार, सीसीटीवी फुटेज से मिला क्लू

भिलाई/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के भिलाई शहर में 3 दिन पहले हुए हत्याकांड का पुलिस ने सुलझा लिया है। मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने इस घटना का खुलासा किया। हत्याकांड के 2 आरोपी भाजपा नेता लोकेश पांडेय व निखिल एंजल फरार हैं। पुलिस हत्याकांड के आरोपियों को क्राइम सीन रिक्रिएट करने घटना स्थल लेकर पहुंची। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों से उठक बैठक कराई और मुंह काला कर उनका जुलूस निकाला गया। आरोपी सड़क पर नारे लगाते रहे कि अपराध करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है। बता दें कि भिलाई शहर के साई नगर कैंप-1 में शनिवार की रात को रंजीत सिंह नाम के युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को सुपेला के शास्त्री हॉस्पिटल के पास फेंक दिया था। जांच के बाद पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें जोश अब्राहम, अमन भारती, बिसेलाल भारती, प्रीतम सिंह, भूपेंद्र साहू व निखिल साहू शामिल हैं। वहीं भाजपा नेता लोकेश पांडेय व निखिल एंजल फ रार हैं। आरोपियों को घटना स्थल लेकर पहुंची पुलिस ने पहले मुंह पर कालिख पोती इसके बाद सभी से उठक बैठक कराई और इनका जुलूस निकाला गया।

सीसीटीवी फुटेज से पकड़े गए अपराधी

पुलिस की पूछताछ में हत्या का कारण पुरानी रंजिश निकला। आरोपियों ने योजना बनाकर बेस, बल्ला व चाकू से फिल्मी स्टाइल में घटना को अंजाम दिया था। घटना के बाद सभी पुलिस से बचने अपने रिश्तेदारों के घर इधर छिपे हुए थे। सीसीटीवी कैमरों से आरोपियों की पहचान हुई। पुलिस को आरोपियों के राजनांदगांव जाने की सूचना मिली थी। पुलिस ने आरोपियों को जालबांधा में उनके एक रिश्तेदार के यहां गिरफ्तार किया। वहीं निखिल साहू को रसमड़ा में दबोचा गया। पुलिस के अनुसार जुलूस निकालने का पीछे आरोपियों का लोगों में खौफकम करना है। सभी आरोपी आदतन बदमाश है और कई केस दर्ज है।

बिजली गिरने से मौत: 48 घंटे के भीतर 4 लाख की आर्थिक सहायता राशि दी

मुंगेली/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विगत दिनों आकाशीय बिजली गिरने से मुंगेली जिले के ग्राम ठकुरीकापा के सुखदेव के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया था और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह को राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधान के तहत 04 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए थे। उक्त निर्देश के परिपालन में मुंगेली अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने मृतक सुखदेव की पत्नी करिश्मा बाई को उनके निवास स्थान ठकुरीकापा जाकर 4 लाख रूपए की राशि का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर तहसीलदार मायानंद चंद्रा, अतिरिक्त तहसीलदार लीलाधर ध्रुव और ग्राम के उपसरपंच उपस्थित थे। इस दौरान मुंगेली अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने मृतक की बड़ी बेटी को स्कूल में दाखिला दिलाने, राशनकार्ड बनवाने, सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ दिलाने में आवश्यक सहयोग करने के लिए हल्का पटवारी को निर्देश दिए और उन्होंने उपस्थित ग्रामवासियों से दुखद घड़ी में पीड़ित परिवार को सहयोग प्रदान करने की अपील की।

कन्या स्कूल में मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

- नपं अध्यक्ष ने समस्याओं को दूर करने का किया वायदा

रामानुजगंज/नवप्रदेश। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल, उपाध्यक्ष बजरंग गुप्ता, स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल, कांग्रेस नेता जसवंत सिंह, स्कूल के सांसद प्रतिनिधि शैलेश गुप्ता, किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विकास दुबे की उपस्थिति में आयोजित किया गया। अतिथियों के द्वारा नव प्रवेशी छात्राओं का मुंह मीठा करा कर अध्ययन सामग्री प्रदान कर विद्यालय प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने कहा कि विगत कई दशकों से शासकीय कन्या उत्तर माध्यमिक विद्यालय बेहतर शिक्षा के लिए जाना जाता है यहां दूरदराज से बहने पढ़ने आती हैं। हम लोगों का हमेशा प्रयास रहता स्कूल उत्तरोत्तर प्रगति करते रहे। उन्होंने कहा कि यहां जो भी समस्याएं हैं उसे दूर करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। कांग्रेस नेता जसवंत सिंह ने कहा कि कोरोना के कारण पढ़ाई बहुत बाधित रहा परंतु अब स्कूल खुल रहे हैं आप सभी बिना हतोत्साहित हुए अपने अध्ययन को जारी रखें एवं प्रगति करें।

फिर मिला तेंदुए का शव, आठ माह में यह चौथी मौत

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में वन्यप्राणियों की सुरक्षा भगवान भरोसे है। कभी शिकार तो कभी तस्करी के मामले लगातार सुर्खियों में हैं। गरियाबंद जिले में एक बार फिर तेंदुए की शव मिला है। शव को पीएम के लिए भेजा गया। तेंदुए की मौत आकाशीय बिजली (गाज) की चपेट में आने से होने की आशंका जताई जा रही है। मौत की असली वजह पीएम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा। गरियाबंद जिले में 8 महीनों में तेंदुए का शव मिलने की यह चौथी घटना है। जानकारी के अनुसार परसूली के सोहागपुर जंगल में मंगलवार देर शाम एक तेंदुए का शव मिला है। वन रक्षक चंद्रभान देखमुख ने यह शव देखा। सूचना पर वन परिक्षेत्र अधिकारी अशोक कुमार भट्ट सहित कर्मचारी घटना स्थल पर पहुंचे। वन विभाग के अधिकारियों ने शव का पंचनामा किया तो सभी अंग सलामत मिले। अफसर आशंका जता रहे हैं कि आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तेंदुए की मौत हुई होगी। तेंदुए का शव पोस्टमार्टम के लिए परिक्षेत्र कार्यालय भेजा गया। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत की सही वजह का पता चल सकेगा।

आठ माह में 4 तेंदुए का शव मिल चुका

गरियाबंद जिले में वन्य प्राणियों के शिकार और मौत का मामला थमता नहीं दिख रहा है। इससे पहले 28 फरवरी को गरियाबंद जिला मुख्यालय से 4 किलोमीटर दूर ग्राम भिलाई में तेंदुए का शव मिला था। तेंदुए का शव 24 घंटे पुराना था। वहीं 7 जून को उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र के दक्षिण उदंती क्षेत्र के जंगल में 5 वर्षीय एक नर तेंदुए का शव बरामद किया था। तेंदुए की मौत की जानकारी 4 दिन बाद वन विभाग को मिली। गरियाबंद जिले में 8 महीनों में तेंदुए का शव मिलने की यह चौथी घटना बताई जा रही है।